www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 211 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
24 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:10
सूर्यास्तः 05:31
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 07

विशेष समाचार
संयुक्त राष्ट्र की साख पर... »पेज 04
प्रेमानंदजी ने 5 महीने बाद... »पेज 06
मलाइका मना रही 53वां ...

55.24 प्रतिशत हुआ कुल मतदान

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 शिक्षक और स्नातक सीटों के लिए सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान हुआ

अखिलेश को अब बैलेट पेपर से दिक्कत

मुरादाबाद में यूपी सरकार के मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना सपा की मानसिकता दिखाता है। पहले पार्टी को EVM से दिक्कत थी, अब बैलेट पेपर से है। चौधरी ने कहा कि चुनाव परिणाम आने पर सपा को अपनी जमीनी हकीकत का अंदाजा हो जाएगा।

गोरखपुर में सपा प्रत्याशी से धक्का-मुक्की, 25 शहरों में हंगामा-मारपीट

यूपी एमएलसी की 11 सीटों पर वोटिंग खत्म

लखनऊ में एमएलसी की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन सीटों पर शाम 4 बजे तक मतदान किया गया। कुल 1,16,491 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इसके बाद अब केंद्रों से मतपेटियां सील करके रमाबाई रैली स्थल पर पहुंचाई जाएंगी।

अखिलेश ने भाजपा पर बूथ लूटने का लगाया आरोप

लगता है चुनाव आयोग को नींद की गोली खिलाकर, एमएलसी चुनाव के मतदान केंद्र पर, ये भाजपाई और उनके संगी-साथी फतेहपुर में बूथ लूटने आए हैं। आज चुनाव आयोग का अवकाश का दिन है क्या? चुनाव आयोग से कोई अपील नहीं क्योंकि अपील उससे की जाती है जिससे कोई उम्मीद हो। हम पूरे प्रदेश में ऐसे वीडियो रिकॉर्ड कर रहे हैं व इनके आधार पर चुनाव व्यवस्था में घपलाकर रहे अधिकारियों पर एफ़आइआर करवाएंगे चाहे वो चुनाव आयोग के अधिकारी-कर्मचारी हों या उप्र प्रशासन के। घोर निंदनीय!

सीट	मतदान प्रतिशत
लखनऊ खंड स्नातक	38.02%
वाराणसी खंड स्नातक	41.01%
आगरा खंड स्नातक	51.00%
मेरठ खंड स्नातक	39.81%
इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक	41.40%
लखनऊ खंड शिक्षक	50.92%
वाराणसी खंड शिक्षक	68.21%
आगरा खंड शिक्षक	63.84%
मेरठ खंड शिक्षक	60.80%
बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक	73.69%
गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक	79.01%
कुल मतदान प्रतिशत	**55.24%**

नोट- आंकड़े शाम 4 बजे तक के हैं।

मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/गोरखपुर । यूपी में विधान परिषद (MLC) की 11 सीटों के लिए शुक्रवार को वोटिंग हुई। सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक 55.24 फीसदी वोट डाले गए। अब नतीजे 27 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

मतदान के दौरान वाराणसी, गोरखपुर, आगरा, बरेली और जालौन समेत 25 शहरों में हंगामा और मारपीट हुई। प्रतापगढ़ के लक्ष्मणपुर ब्लॉक में वोटिंग के बाद बैलेट बॉक्स की पैकिंग के दौरान एजेंटों ने दरवाजा बंद करने का विरोध किया। देर होने पर उन्होंने धक्का देकर कुंडी तोड़ दी।

इटावा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने वोट डाला। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा समर्थक मतदाताओं को रोका जा रहा है। चुनाव आयोग नींद की गोली खाकर सो रहा है। भाजपा को 'वोट चोरी की यूनिवर्सिटी' खोल लेनी चाहिए।

आगरा में सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल फूट-फूटकर रो पड़े। उन्होंने भाजपा पर बूथ कैप्चरिंग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह इस्लाम कबूल कर लेंगे। मुजफ्फरनगर में राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल के सामने भाजपा और सपा नेताओं के बीच मारपीट हुई। सपा का आरोप है कि मंत्री मतदान के दौरान कई लोगों को बूथ के अंदर ले गए। >> (शेष पेज 06 पर)

- लखनऊ में स्नातक सीट पर 38.71%, शिक्षक पर 55.04% वोटिंग
- लखनऊ में कांति सिंह बोलीं- वोटिंग में मतदाताओं को किया जा रहा भ्रमित

अखिलेश बोले- बीजेपी वोट चोरी की यूनिवर्सिटी खोल ले

सैफई में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा, "मुझे उम्मीद है कि चुनाव आयोग नींद की गोली लेकर नहीं सो रहा होगा।" उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को वोट चोरी के लिए विश्वविद्यालय खोल लेना चाहिए।

बूथ कैप्चरिंग के विरोध पर भाजपा-सपा कार्यकर्ताओं में मारपीट

औरैया की सदर विधानसभा के बूथ नंबर 223 पर भाजपा विधायक गुड़िया कठेरिया पर बूथ कैप्चरिंग कराने का आरोप लगा है। सपा ने दावा किया कि इसका विरोध करने पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई। सपा ने चुनाव आयोग से मामले की तत्काल जांच कराने, दोषियों पर कार्रवाई करने और मतदान केंद्र पर सुरक्षा के साथ निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने की मांग की।

मुरादाबाद में सपा नेता एसटी हसन बोले- अलीगढ़, एटा में धांधली की शिकायतें मिलीं

मुरादाबाद में सपा नेता एसटी हसन ने MLC चुनाव में अलीगढ़ और एटा समेत कई जगहों पर धांधली की शिकायतें मिलने का दावा किया। उन्होंने कहा कि लोग निडर होकर मतदान कर रहे हैं और सपा को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद है। हसन ने चुनाव आयोग से निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने की मांग की और भाजपा पर धांधली करने का आरोप लगाया। फतेहपुर के विजयीपुर बूथ पर इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक चुनाव के दौरान हंगामा हुआ। सपा ने भाजपा पर सीसीटीवी बंद कर धांधली का आरोप लगाया, जबकि अधिकारियों ने इसे गलत बताया और मतदान जारी रखा।

अखिलेश बोले- चुनाव आयोग सो रहा

- सैफई में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा वोटर लिस्ट में हेराफेरी कर रही है।
- उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लगातार इस मुद्दे को उठा रही है।

अखिलेश ने इटावा में वोट डाला, बोले- आपके वोट से बचेगा लोकतंत्र, भाजपा के खिलाफ जनता में गुस्सा

इटावा के सैफई में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्नातक MLC चुनाव में वोट डाला। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि उनके वोट से लोकतंत्र बचेगा। अखिलेश ने आरोप लगाया कि कई जिलों में सपा समर्थकों को वोट डालने से रोकने के लिए भाजपा के लोग और भ्रष्ट अधिकारियों को आगे किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदान के तरीके से भाजपा के लोग निराश हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा शिक्षक MLC चुनाव में जो व्यवहार कर रही है, वही आम चुनाव में भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा के खिलाफ है और एक-एक वोट से उसे हटाने का काम करेगी।

फास्ट न्यूज

थरूर बोले- भाजपा को सलाह, राहुल को गंभीरता से ले

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को भाजपा को सलाह दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को राहुल गांधी को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में राहुल ने युवा मतदाताओं में पॉपुलैरिटी हासिल की है।

एकजुट अपील

पीएम मोदी बोले- समाज को बांटने वाली ताकतें सक्रिय

दिल्ली। पीएम मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक बुराइयों से निपटने और बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की।

खेद प्रकाश

दैनिक तमसा संकेत
अंबेडकरनगर

दिनांक 23 अक्टूबर 2026 के अंक के पृष्ठ संख्या 3 पर प्रकाशित समाचार "एक ही रात तीन दुकानों में धावा, छत तोड़कर घुसे चोर" में कंप्यूटर ऑपरेटर की असावधानी-वश समाचार के साथ गलत फोटो प्रकाशित हो गई थी।

इस त्रुटि के लिए हमें खेद है। उक्त फोटो का समाचार में वर्णित घटना से कोई संबंध नहीं है। यह त्रुटि अनजाने में हुई है। इससे संबंधित किसी भी व्यक्ति को हुई असुविधा के लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं।

हम पाठकों एवं संबंधित सभी व्यक्तियों को आश्वस्त करते हैं कि भविष्य में समाचारों के प्रकाशन के दौरान तथ्यों एवं तस्वीरों की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

- संपादक
दैनिक तमसा संकेत
अंबेडकरनगर

बिहार की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट पति-पत्नी, बेटी समेत 7 की मौत

बिल्डिंग के बाहर शव बिखरे, घनी आबादी के बीच थी फैक्ट्री

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

सीवान। बिहार के सीवान में पटाखा बनाने के दौरान हुए ब्लास्ट में पति-पत्नी और उनकी बेटी समेत 7 की मौत हो गई।

जामो थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव के एक इमारत में पटाखे बनाए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक धमाके होने लगे। इस धमाके में पूरा मकान उड़ गया। लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, करीब डेढ़ घंटे तक रुक-रुककर धमाके होते रहे। ग्रामीण जुनैद रिजवी ने बताया कि बिहार में आलमपुर गांव पटाखा निर्माण के लिए जाना जाता है। गांव में कुछ परिवार पीढ़ियों से पटाखा बनाने का काम करते आ रहे हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

- गांव में लोग पीढ़ियों से पटाखा बना रहे हैं
- दमकल की गाड़ियां की मदद से आग बुझाने की कोशिश

घटना की सूचना मिलने पर डीएम-एसपी मौके पर पहुंचे

घटना की सूचना मिलेन के बाद डीएम विजय प्रकाश मीणा और एसपी भारत सोनी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई। मलबे में दबे लोगों को निकाला गया और घायलों को अस्पताल पहुंचा।

लखनऊ में सीएम योगी ने कहा- पिछले 9 सालों में प्रदेश ने विकास का सफर किया

आम लोगों के जीवन में बदलाव लाना प्रशासन का लक्ष्य : योगी

आयोजन

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रशासन की सार्थकता तभी साबित होती है, जब उसके काम से आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। इसके लिए लोक सेवकों का दक्ष, संवेदनशील और जवाबदेह होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले माफियाराज और नीतिगत उदासीनता विकास में बाधा बने हुए थे। पिछले 9 सालों में प्रदेश ने विकास का सफर तय किया है। >> (शेष पेज 06 पर)

2017 से पहले की कार्यसंस्कृति पर उठाए सवाल

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में वर्ष 2017 से पहले की प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उस दौर में परिवा-रवाद, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार को प्राथमिकता दिए जाने से प्रशासनिक दक्षता और कार्यसंस्कृति प्रभावित हुई थी। उनके मुताबिक, अपराध, माफियाराज और नीतिगत उदासीनता विकास की संभावनाओं में बाधा बने हुए थे। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार मिशन कर्मयोगी जैसी पहलों के जरिए प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दे रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी बीमारू छवि से बाहर निकलकर विकास की दिशा में आगे बढ़ने का सफर तय किया है।

कार्यशाला में अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप प्रशिक्षण देने, संस्थानों की कमियां दूर करने और सरकारी कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में साधना श्रृंखला-2026 के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

जायजा : अंबेडकरनगर के नौ केंद्रों पर शाम चार बजे तक हुआ मतदान, किए गए विशेष इंतजाम

शिक्षक एमएलसी चुनाव में 80.46% मतदान

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव में शुक्रवार को अंबेडकरनगर में 80.46 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिले के नौ मतदान केंद्रों पर शाम चार बजे तक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी और सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी के बीच मुख्य मुकाबला रहा। मतदान के दौरान प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी सक्रिय रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। जोनल अधिकारियों ने भी अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया पर नजर रखी। प्रशासन के अनुसार, जिले में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। >> (शेष पेज 06 पर)

- छाया से व्हीलचेयर तक, मतदाताओं की सुविधा पर जोर
- भाजपा के ध्रुव और सपा के संजयन के मुकाबले पर नजर

भाजपा-सपा के बीच सियासी मुकाबले पर टिकी निगाहें
जिला निर्वाचन अधिकारी और एसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

80.46 प्रतिशत मतदान, नौ केंद्रों पर पूरी हुई चुनावी प्रक्रिया

शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए जिले में नौ मतदान केंद्र बनाए गए थे। शुक्रवार को इन केंद्रों पर निर्धारित व्यवस्था के तहत मतदान कराया गया। शाम चार बजे तक सामने आए आंकड़ों के अनुसार, अंबेडकरनगर में 80.46 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव में भाजपा और सपा प्रत्याशियों के बीच मुख्य मुकाबला होने से इस निर्वाचन क्षेत्र के परिणाम पर राजनीतिक दलों की निगाहें बनी हुई हैं।

मतदान केंद्रों पर पहुंचे अधिकारी, व्यवस्थाओं की हुई पड़ताल

मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने निगरानी बनाए रखी। जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह और उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। जोनल अधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदान व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं और मतदान से संबंधित इंतजामों को देखा। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदान संपन्न कराया जा सके।

दिल्ली में एसआईआर के खिलाफ लेफ्ट का प्रदर्शन, 100 हिरासत में

22 दिन में 10 पार्टी-संगठन सड़क पर उतर चुके

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास शुक्रवार को SIR के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन-कारी मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के पोस्टर लेकर पहुंचे और उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन करीब 3 घंटे चला। यह प्रदर्शन पीपल अगेंस्ट SIR और छात्र संगठन AISA ने बुलाया था। संगठनों ने बंगला साहिब से चुनाव आयोग ऑफिस तक मार्च बुलाया। पुलिस ने रास्ते में ही करीब 100 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। दिल्ली में SIR वापसी, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले 22 दिनों में 9 से ज्यादा बार 10 पार्टियां और संगठन सड़क पर उतर चुके हैं। इनमें INDIA ब्लॉक, CJP, आप, लेफ्ट, AISA, SFI, SKM और छात्र-नागरिक अधिकार संगठन शामिल हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

- पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना शुरू किया, पिछले हफ्ते हुआ पीपल अगेंस्ट एसआईआर का गठन

डॉ. संजयन से भाजपाइयों की धक्का-मुक्की ■ पर्यवेक्षक को हटाने की मांग हुई

गोरखपुर में एमएलसी चुनाव में 79.01% वोट

मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में शुक्रवार को 79.01 प्रतिशत वोट पड़े। वोटिंग सुबह 8 बजे से शुरू होकर शाम 4 बजे तक की गई।

डीएबी डिग्री कॉलेज में भाजपा और सपा नेताओं के बीच कहासुनी हुई। मतदान प्रभावित करने का दोनों नेताओं ने आरोप गया। इस दौरान सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन से भाजपाइयों की धक्का मुक्की जैसे हालात बन गए।

उधर, एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने चुनाव पर्यवेक्षक IAS अभय

सिंह को तत्काल पद से हटाने की मुख्य चुनाव आयुक्त को शिकायत भेजी है। उन्होंने CEC को मेल पर शिकायत की है। चुनाव में 17 जिलों के 54,910 शिक्षक मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करना था। शाम 4 बजे निर्धारित अवधि पूरी होने तक 79.01 प्रतिशत वोट पड़े। सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं जिलाधिकारी दीपक मीणा ने गुरुवार को पोलिंग पार्टियों के रवाना होने के स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि चुनाव पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से कराया जाएगा। इसके लिए

> भाजपा के ध्रुव त्रिपाठी, सपा के डॉ. संजयन त्रिपाठी, अजय सिंह, डॉ. राकेश सिंह, राजीव यादव, सत्यपाल सिंह, डॉ. शरदेंदु कुमार त्रिपाठी, निरंकार राम त्रिपाठी, अजीत कुमार सिंह, देव भास्कर तिवारी, राजेश पांडेय, शिव श्याम यादव, दिनेश कुमार मिश्र, पंकज कुमार, राकेश कुमार तिवारी और राम प्रताप राम मैदान सहित 16 प्रत्याशी मैदान में हैं।

मतपत्र से होगा मतदान, वरीयता लिखना जरूरी

शिक्षक MLC चुनाव में EVM के बजाय मतपत्र और मतपेटिका से मतदान कराया जाएगा। मतदाताओं को प्रत्याशियों के नाम के सामने अपनी पसंद के क्रम में वरीयता दर्ज करनी होगी। पहली पसंद के लिए '1', दूसरी के लिए '2' और इसी तरह आगे की पसंद लिखी जा सकती है। इसके लिए निर्वाचन आयोग की ओर से दी गई कलम का ही इस्तेमाल करना होगा। निर्देशों का पालन नहीं करने पर मतपत्र अवैध हो सकता है।

प्रशिक्षित कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

एमएलसी ने कहा- चुनाव पर्यवेक्षक पर आज भी भ्रष्टाचार के गंभीर मामले दर्ज

एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने चुनाव पर्यवेक्षक IAS अभय सिंह को तत्काल पद से हटाने की मुख्य चुनाव आयुक्त को शिकायत भेजी है। उन्होंने कहा- IAS अधिकारी अभय सिंह की नियुक्ति को मतगणना में धांधली की नियत से किया गया है। वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश के अवैध खनन मामले में उनके विरुद्ध CBI द्वारा FIR दर्ज किया गया तथा उनके आवास पर छापेमारी के दौरान बड़े पैमाने पर नगद बरामद हुआ। इस मामले में हुई CBI जांच की वर्तमान स्थिति और उससे संबंधित तथ्यों का गंभीरता से संज्ञान लिया जाना चाहिए। यह भी गंभीरता से संज्ञान लेने का विषय है कि वर्ष 2019 के बाद उनकी पदस्थापना एवं सेवा संबंधी परिस्थितियों क्या रही हैं और उन्हें गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र जैसे संवेदनशील चुनाव में पर्यवेक्षक नियुक्त करने का आधार क्या है। उनकी नियुक्ति या भविष्य की पदस्थापना से संबंधित परिस्थिति इनकी निष्पक्षता को प्रभावित करेगी।

गोरखपुर में चलती 'वरना' कार में लगी आग

इंजन से धुआं उठते ही कूदा चालक

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के मेडिकल कॉलेज रोड पर शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे चलती कार में अचानक आग लग गई। कार में बैठे चालक ने कूदकर किसी तरह जान बचाई। आस-पास के दुकानदारों के प्रयास से किसी तरह आग पर काबू पाया गया। लेकिन इसके बाद भी कार से धुआं उठ रहा था।

तभी फायर ब्रिगेड की गाड़ी से आए कर्मियों ने तेज धार में कार के इंजन पर पानी मारकर पूरी तरह आग पर काबू पाया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहन रोक दिए गए थे। जिससे सड़क पर लंबा जाम लग गया था। फायर कर्मियों के मुताबिक, मेडिकल कॉलेज के मोगलहा में महिंद्रा का शोरूम है। शुक्रवार को महिंद्रा की ही एक इंप्लाई लखनऊ नंबर की वरना कार सर्विसिंग कराने लेकर सेंटर पर

जा रहा था। अभी वह मोगलहा ही पहुंचा था। तभी कार के इंजन की तरफ से तेजी से धुआं निकलने लगा। यह देखकर चालक कार छोड़कर बाहर कूद गया। थोड़ी देर में कार के आगे आग की तेज लपटें निकलने लगीं। कार धू धूकर जलने लगी। तभी आस-पास के दुकानदारों ने पानी और अन्य चीजों के माध्यम से कार की आग तो बूझा दी। लेकिन तेज धुआं फिर भी निकल रहा था। घटना के करीब 20 मिनट पर सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची।

फास्ट न्यूज

भाकियू नेताओं के धक्के में सिटी मजिस्ट्रेट जमीन पर गिरे

आगरा । आगरा में SIR के विरोध में प्रदर्शन कर रहे भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) और संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों की पुलिस और प्रशासनिक अफसरों से धक्कामुक्की हो गई।शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे किसान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR प्रक्रिया रद्द करने की मांग को लेकर DM को ज्ञापन देने जा रहे थे।

बाराबंकी में भाजपा-सपा कार्यकर्ता आमने-सामने

बाराबंकी। बाराबंकी में MLC चुनाव से एक दिन पहले गुरुवार रात बाराबंकी के लखपेड़ाबाग चौराहे पर बूथ लगाने को लेकर भाजपा और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता-कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई। माहौल तनावपूर्ण होने से हाथापाई की आशंका बन गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली।

भाजपा नेताओं का आरोप था कि सपा ने आदित्य सिंह टाइगर की मार्केट के सामने उनकी जगह पर बिना अनुमति बूथ लगा दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे लेकर विरोध जताया और सपा पर गुंडई करने का आरोप लगाया।

काशी में गंगा के ऊपर राफेल की गर्जना

वाराणसी। गंगा की लहरों के ऊपर लड़ाकू विमानों की गर्जना, आसमान में राफेल की रफ्तार और पांच लाल हेलिकॉप्टरों की एक साथ सधी हुई उड़ान। काशी में एयरशो देखने के लिए गुरुवार को घाटों पर लोगों की भीड़ उमड़ी। भारतीय वायुसेना के शौर्य और पायलटों के हैरतअंगेज करतब देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। कोई पहली बार राफेल को सामने से देखकर उत्साहित था, तो किसी के लिए पांच हेलिकॉप्टरों की एक साथ उड़ान जिंदगी का यादगार अनुभव बन गई।

वाराणसी में पटाखा विस्फोट में 85% झुलसी चांदनी की मौत

15 अक्टूबर को सारनाथ के पैगंबरपुर में हुआ था धमाका

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में सारनाथ थाना क्षेत्र के पैगंबरपुर में 15 अक्टूबर को हुए पटाखा विस्फोट में गंभीर रूप से झुलसी चांदनी बेगम (38) की गुरुवार देर शाम मौत हो गई। हादसे में वह करीब 85% झुलस गई थीं। पिछले कई दिनों से कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल के बर्न वार्ड में उनका इलाज चल रहा था। परिजन दो दिन पहले बिना डॉक्टरों को बताए उन्हें निजी अस्पताल ले गए थे। वहां हालत बिगड़ने पर गुरुवार शाम दोबारा मंडलीय अस्पताल लाए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मंडलीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। हादसे में घायल चांदनी के 12 वर्षीय बेटे अदीब

खान का इलाज अभी जारी है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उसके दोनों हाथ टूट गए हैं और सिर में चोट लगी थी। चोट के कारण उसकी नाक से खून भी निकला था। चांदनी की बेटी अरबिया को हादसे में चोट नहीं आई थी। सीएमओ डॉ. एनपी सिंह के मुताबिक, 15 अक्टूबर को हादसे के दिन ही चांदनी को मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की टीम उनकी जान बचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। अस्पताल प्रबंधन की ओर से उन्हें हरसंभव इलाज दिया जा रहा था।

सपा प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा और भाजपा कार्यकर्ता भिड़े, पुलिस से भी धक्का-मुक्की

वाराणसी में स्नातक एमएलसी चुनाव में झड़प

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान शुक्रवार को सदर तहसील स्थित मतदान केंद्र पर सपा प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। दोपहर करीब एक बजे हुए हंगामे के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का-मुक्की हुई।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि आशुतोष सिन्हा मतदान केंद्र के अंदर जाकर मतदाताओं से हाथ जोड़कर वोट मांग रहे थे। वहीं, सपा नेताओं ने इसे भाजपा की हार की हताशा बताते हुए प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी ने चुनाव निरस्त कर दोबारा मतदान कराने की मांग की। सपा के सांसद वीरेंद्र सिंह ने भाजपा पर चुनाव के दौरान विवाद करने और पुलिसकर्मियों को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने का आरोप

लगाया। चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव शिक्षक रहे थे और शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए काम करते थे। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं को सदन के अंदर, सदन के बाहर और सरकार में रहते हुए उठाया। वीरेंद्र सिंह ने कहा कि इसी वजह से शिक्षक समाज समाजवादी पार्टी को शिक्षा और शिक्षकों के हित में काम करने वाली पार्टी मानता है। वीरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि जब भाजपा को अपनी हार दिखाई देने लगती है, तो उसके प्रत्याशी या समर्थक विवाद करने लगते हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप

पूर्व मंत्री मनोज राय ने चुनाव निरस्त करने की मांग की

सपा के पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी ने कहा कि मतदान केंद्र पर वीडियो रिकॉर्डिंग हो रही है। उन्होंने मांग की कि घटना की जांच कराई जाए और यदि इस तरह चुनाव प्रभावित किया जा रहा है, तो चुनाव निरस्त करके दोबारा मतदान कराया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन भाजपा की मदद कर रहा है। हालांकि, प्रशासन की भूमिका और चुनाव प्रभावित होने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मनोज राय ने कहा कि जब भाजपा हारने लगती है, तो इस तरह की घटनाएं करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग प्रशासनिक अधिकारियों और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से बदतमीजी कर रहे हैं।

लगाते हुए कहा कि अधिकारी सरकारी कर्मचारी के बजाय भाजपा के कार्यकर्ता की तरह व्यवहार कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं

सांसद ने यह भी दावा किया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के कई विधायक समाजवादी पार्टी में आना चाहते हैं, ऐसे नेताओं कि संख्या दर्जनों में है। लेकिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अभी उनके लिए दरवाजे नहीं खोले हैं।

का कहना था कि सपा प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा मतदान केंद्र के अंदर जाकर मतदाताओं से वोट मांग रहे थे, जो नियमों के खिलाफ है। इसी बात को लेकर उन्होंने आपत्ति जताई और हंगामा किया।

स्नातक विधान परिषद चुनाव में सूरतगंज में जमकर हुआ मतदान

अंतिम समय तक डटे रहे मतदाता

■ सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई मतदान प्रक्रिया, प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। स्नातक विधान परिषद चुनाव को लेकर शुक्रवार को बाराबंकी जिले के सूरतगंज ब्लॉक में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सुबह आठ बजे शुरू हुई मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। मतदान केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, वहीं प्रशासनिक अधिकारी लगातार निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। पूरे दिन

पुलिस बल की निगरानी में मतदान प्रक्रिया संचालित हुई और अंतिम समय तक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शुक्रवार सुबह आठ बजे मतदान शुरू होते ही केंद्र पर मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। मतदान केंद्र पर पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे और मतदान प्रक्रिया पर लगातार नजर बनाए रखी। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। मतदान केंद्र पर किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिसकर्मी सतर्क दिखाई दिए। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी केंद्र का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मतदान समाप्त होने के बाद समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के खेमों में उत्साह देखने को मिला। दोनों दलों के समर्थक अपने-अपने पक्ष में मतदान होने की उम्मीद जताते नजर आए।

तीनों बूथों पर मतदान के आंकड़ों में अंतर

मतदान के अंतिम समय तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सूरतगंज ब्लॉक में कुल 1,980 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें स्नातक प्रथम बूथ संख्या 254 पर कुल 456 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 319 पुरुष और 137 महिला मतदाता शामिल रहीं। वहीं, स्नातक बूथ संख्या 254-अ पर 302 पुरुषों और 126 महिलाओं समेत कुल 426 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके अलावा शिक्षक बूथ पर कुल 73 वोट पड़े।

इस प्रकार तीनों बूथों पर उपलब्ध बूथवार आंकड़ों के अनुसार कुल 955 मतदाताओं ने मतदान किया। हालांकि, मतदान के कुल आंकड़े को लेकर उपलब्ध विवरण में अंतर है, इसलिए अंतिम आधिकारिक आंकड़े की पुष्टि संबंधित निर्वाचन अधिकारी से किया जाना उचित होगा।

चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी पूरे दिन बनी रही।

बीबीएयू के प्रोफेसर से 50.19 लाख की ठगी

एलआईसी पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर ऐंठे रुपए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के रायबरेली रोड स्थित एल्डिको-2 निवासी बीबीएयू के प्रोफेसर दिनेश राज मोदी से एलआईसी की लैप्स पॉलिसी दोबारा चालू कराने के नाम पर 50.19 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने खुद को एलआईसी के दिल्ली स्थित हेड ऑफिस के अकाउंट विभाग का अधिकारी बताकर प्रोफेसर से संपर्क किया। इसके बाद पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करा ली।

पीड़ित के मुताबिक, अप्रैल 2026 में उनके मोबाइल पर विक्रम सिंह नाम के व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को LIC के दिल्ली स्थित हेड ऑफिस के अकाउंट विभाग में तैनात बताया और कहा कि उनकी पॉलिसी लैप्स हो गई है। उसे दोबारा

चालू कराने के लिए उसने H. Lalduhsange और अनित पनवर नाम के कथित अधिकारियों से फोन और व्हाट्सएप पर संपर्क करने को कहा। दिनेश राज मोदी ने बताया आरोपियों ने उन्हें विश्वास में लेकर अलग-अलग बैंक खातों की जानकारी दी। इनमें दिव्यांशु पटेल, संस्कार यादव और डीके एंटरप्राइजेज के नाम से जुड़े खाते शामिल थे। आरोपियों के कहने पर उन्होंने 16 अप्रैल 2026 को पहली बार दो लाख रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद आरोपी पॉलिसी दोबारा चालू कराने के नाम पर उनसे लगातार रकम जमा कराते रहे।

घटना : कारोबारी बोले- दीपावली के लिए कर्ज लेकर भरा था माल, 20 साल की मेहनत बर्बाद

काशी में आग में जलकर 40 लाख का माल राख

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी के मदनपुरा में बुधवार को लगी भीषण आग ने दो कारोबारी परिवारों की सालों की मेहनत पर पानी फेर दिया। एक परिवार की 20 साल पुरानी हार्डवेयर दुकान जलकर राख हो गई। दूसरे परिवार की ज्वेलरी शॉप और उसके ऊपर बना चार मंजिला गेस्ट हाउस भी आग की चपेट में आकर तबाह हो गया। एक कारोबारी ने दीपावली के सीजन के लिए 40 लाख रुपए का कर्ज लेकर दुकान में माल भरा था। त्योहार पर कमाई कर कर्ज चुकाने की उम्मीद थी, लेकिन आग ने सब कुछ खत्म कर दिया। दूसरे परिवार ने भी दुकान और गेस्ट हाउस खड़ा

करने में वर्षों की मेहनत लगाई थी। अब दोनों परिवारों के सामने दोबारा कारोबार शुरू करने और घर चलाने की चुनौती है। संजय की पत्नी इंदिरा प्रजापति ने बताया कि वह घर पर थीं। दोपहर करीब डेढ़ बजे पड़ोस से फोन आया कि दुकान में आग लग गई है। शुरुआत में उन्हें लगा कि आग थोड़ी-बहुत होगी, लेकिन मौके पर पहुंचीं तो आग विकराल हो चुकी थी। लोगों ने बताया कि उनके पति सुरक्षित हैं, लेकिन बाद में उन्होंने देखा कि दमकल की टीम संजय को बाहर

2019 में शुरू की थी ज्वेलरी शॉप, गेस्ट हाउस भी तबाह

आग में सतनाम ब्रदर्स ज्वेलर्स की दुकान और उसके ऊपर बना चार मंजिला गेस्ट हाउस भी पूरी तरह तबाह हो गया। दुकान के मालिक जोगिंदर सिंह ने बताया कि ज्वेलरी शॉप का सामान जल गया है। गेस्ट हाउस भी बुरी तरह नष्ट हो चुका है। उन्होंने नुकसान करोड़ों रुपए का बताया, हालांकि अभी इसका आकलन करना मुश्किल है। जोगिंदर सिंह के मुताबिक, उन्होंने वर्ष 2019 में यहां दुकान और गेस्ट हाउस शुरू किया था। दीपावली के व्यस्त कारोबारी सीजन में हुए इस नुकसान से परिवार की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है।

निकाल रही थी। इंदिरा ने बताया कि उनका परिवार रेवड़ी तालाब में तिलभांडेश्वर महादेव के पास रहता है। दुकान और उसके ऊपर बना

5 मिनट में दुकान तक फैल गई आग, ऊपर फंसे संजय

जेएस हार्डवेयर के मालिक संजय प्रजापति ने बताया कि उनकी दुकान में झाड़ू, पेंट और तारपीन का सामान रखा था। बुधवार को बाहर से आ रही एक तार से चिंगारी निकली, जो दुकान में जा गिरी। इसके बाद आग तेजी से फैलने लगी। संजय के मुताबिक, वह आग बुझाने के लिए फायर सेफ्टी का सामान लेने ऊपर गए थे, लेकिन आग बढ़ने से वहीं फंस गए। बाद में दमकलकर्मियों ने उन्हें रेस्क्यू कर बाहर निकाला। संजय ने बताया कि दुकान उनके पिता ने शुरू की थी। पिछले 20 साल से कारोबार उसी जगह चल रहा था। परिवार के चारों भाई इसी दुकान में काम करते थे। दीपावली के सीजन को देखते हुए उन्होंने 40 लाख रुपए का कर्ज लेकर माल खरीदा था। उम्मीद थी कि त्योहार पर बिक्री अच्छी होगी और कर्ज चुकाने में मदद मिलेगी, लेकिन आग में पूरा सामान जल गया।

गेस्ट हाउस ही परिवार की कमाई का मुख्य जरिया थे। गेस्ट हाउस उन्होंने और उनके पति ने कई साल तक एक-एक पैसा जोड़कर बनवाया था। परिवार में 14 साल का बेटा और 7 साल की बेटी है, दोनों स्कूल जाते हैं।

राजधानी में सपा ने मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिन

एसिड सर्वाइवर्स के साथ काटा केक, सामाजिक न्याय की रक्षा का संकल्प लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को सपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया। गोमतीनगर स्थित शीरोज कैफे में सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने एसिड सर्वाइवर्स के साथ केक काटा। उन्होंने कैफे के संचालन में अहम भूमिका निभाने वाली सर्वाइवर्स को तोहफे भी बांटे।

इस दौरान देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप और सामाजिक न्याय की रक्षा करने के साथ सांप्रदायिक व फासीवादी ताकतों के खिलाफ संघर्ष करने का संकल्प लिया गया।

सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा कि उन्होंने पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव समेत प्रदेश की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश को अखिलेश

यादव जैसे नेता की जरूरत है, जो अपनी विकासवादी नीतियों से देश को आगे ले जा सकें। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव दृढ़ संकल्प वाले नेता हैं। उन्हें विकास पुरुष बताते हुए फखरुल हसन चांद ने कहा कि विकास के नजरिए से अखिलेश यादव का कार्यकाल सबसे अच्छा रहा है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता साल में दो बार अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाते हैं। दस्तावेजों में उनका जन्मदिन 1 जुलाई है जबकि कुछ कार्यकर्ता 23 अक्टूबर को भी अखिलेश यादव को जन्मदिन मनाते हैं और इसे भी सही मानते हैं। आज भी सपा मुख्यालय समेत शहर के अलग-अलग हिस्सों में अखिलेश यादव को बधाई देते हुए होर्डिंग लगाई गई है।

राजभर का सपा-कांग्रेस पर हमला, अखिलेश को मुस्लिम मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की दी चुनौती

यूपी में सपा का वजूद खत्म करना चाहती है कांग्रेस

बयानबाजी

- 172 सीटों की मांग पर कसा तंज, बीएलओ की भूमिका और आरक्षण के मुद्दे पर भी रखी बात

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज होने लगी है। शुक्रवार को अंबेडकरनगर पहुंचे कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस की ओर से सपा से 172 विधानसभा सीटें मांगने की चर्चा पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को 200 से अधिक सीटों की मांग करनी चाहिए थी। राजभर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में सपा का राजनीतिक अस्तित्व खत्म करना चाहती है। मतदाता सूची में संशोधन और चुनावी गड़बड़ियों के आरोपों पर राजभर ने सरकार और चुनाव आयोग का बचाव किया। उन्होंने कहा कि गड़बड़ी न तो सरकार कर रही है और न ही चुनाव आयोग। इसके साथ ही उन्होंने कुछ बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। राजभर ने आरोप लगाया कि यादव समुदाय से जुड़े कुछ बीएलओ सपा और दलित समुदाय से जुड़े कुछ बीएलओ बसपा के पक्ष में काम करते हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद की आरक्षण संबंधी मांगों का समर्थन करते हुए राजभर ने कहा कि अपने समाज के अधिकारों के लिए आवाज उठाना गलत नहीं है। उनके मुताबिक, सरकार के सामने जनता की समस्याएं और मांगें रखना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजभर ने एनडीए की एकजुटता पर भरोसा जताया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों के प्रत्याशी चुनाव में जीत दर्ज करेंगे। उनके बयान में विपक्षी दलों के बीच संभावित खींचतान के साथ ही एनडीए की चुनावी तैयारी को लेकर भी राजनीतिक संदेश नजर आया।

सीटों की लड़ाई में बढ़ेगी सपा-कांग्रेस की दूरी?

राजभर ने दावा किया कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कांग्रेस को इतनी सीटें नहीं देंगे। इससे दोनों दलों के बीच टकराव बढ़ सकता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के साथ कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि अब उत्तर प्रदेश में सपा को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, कांग्रेस और सपा के बीच सीटों के बंटवारे पर किसी अंतिम निर्णय की पुष्टि नहीं हुई है। राजभर का बयान ऐसे समय आया है, जब 2027 के चुनाव को लेकर विपक्षी दलों के बीच संभावित गठबंधन और सीटों की हिस्सेदारी पर चर्चा राजनीतिक रूप से अहम है।

आजम खान से मुलाकात पर अखिलेश को घेरा

सीतापुर जेल में आजम खान से अखिलेश यादव की मुलाकात को लेकर भी राजभर ने निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम समाज के रुख को लेकर चिंता बढ़ने के बाद अखिलेश यादव को आजम खान की याद आई। राजभर ने कहा कि यदि अखिलेश यादव मुस्लिम समाज का समर्थन चाहते हैं, तो उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव में किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करना चाहिए।

> सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी के बयानों पर टिप्पणी करते हुए राजभर ने आरोप लगाया कि उनकी बातें अखिलेश यादव की सोच और सहमति को दर्शाती हैं। उन्होंने सनातन धर्म, देवी-देवताओं और जातियों से जुड़े मुद्दों पर विवादित टिप्पणियों को लेकर भी सपा नेतृत्व की आलोचना की।

फोन कर कहा बहन को ले जाओ गंभीर हालत में मिली नीतू

तमसा संकेत, संवाददाता

- मझियारी अठवारा में विवाहिता का गला कसने का आरोप, पति और सास-ससुर पर प्रताड़ना के आरोप पुलिस जांच में जुटी

अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के मझियारी अठवारा गांव में विवाहिता नीतू की हालत बिगड़ने पर मायके पक्ष ने पति और सास-ससुर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पति ने रस्सी से उसका गला कस दिया। विवाहिता का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अखंडनगर क्षेत्र के अनिरुद्धपुर निवासी नीतू की शादी मई 2024 में मझियारी अठवारा निवासी कैप्टन से हुई थी। मायके पक्ष के मुताबिक, 16 अक्टूबर को कैप्टन ने नीतू के भाई को फोन कर कहा कि उसकी बहन की मौत हो गई है और वह उसे लेने आ जाए। इसके बाद फोन काट दिया। सूचना पर परिजन ससुराल पहुंचे तो नीतू गंभीर हालत में मिली।

मायके पक्ष के सामने नीतू ने बताया कि उसकी भाभी का प्रसव हुआ था। उसने पति से अस्पताल में खाना पहुंचाने के लिए कहा तो उसने ताना दिया कि शादी में उसके पिता ने कुछ नहीं दिया, अब खाना भी वही लेकर जाए। नीतू का आरोप है कि इसके बाद सास-ससुर ने उसके हाथ पकड़ लिए और पति ने रस्सी से उसका गला कस दिया।

वहीं, मायके पक्ष का कहना है कि नीतू ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया था, लेकिन समय रहते उसे बचा लिया गया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

फास्ट न्यूज

दम्मम से नगपुर पहुंचा नफीस का शव

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। सऊदी अरब के दम्मम में जान गंवाने वाले नगपुर निवासी नफीस अहमद का पार्थिव शरीर 21 अक्टूबर को लखनऊ पहुंचा। वहां से एंबुलेंस के जरिए शव पैतृक गांव लाया गया। उसी शाम स्थानीय कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। नफीस के पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया में परिवार को सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद मिली।

मिझौड़ा में जमीन हड़पने के आरोपों की जांच के आदेश

अंबेडकरनगर। भीटी तहसील के मिझौड़ा गांव में कथित तौर पर फर्जी पुत्री बनकर जमीन अपने नाम कराने और फिर उसे बेचने के मामले में अदालत ने जांच के आदेश दिए हैं। संबंधित उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को 15 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई सात नवंबर को होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी बृज प्रसाद ने अदालत में शिकायत की है कि गांव की एक महिला ने खुद को मृतक की पुत्री बताकर जमीन अपने नाम करा ली।

जम्मू तवी एक्सप्रेस में बैग चोरी करने वाले को पांच साल की कैद

अंबेडकरनगर। जम्मू तवी एक्सप्रेस में महिला यात्री का बैग चोरी करने के मामले में अदालत ने दोषी रामकीरत वर्मा को पांच साल के कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश त्वरित द्वितीय भारतेंदु प्रकाश गुप्ता की अदालत ने बृहस्पतिवार को यह फैसला सुनाया। दोषी पर 11 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

भाजपा की बैठक में जनसमस्याओं और विकास कार्यों पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर नगर और सैदापुर मंडल में एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद, जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर

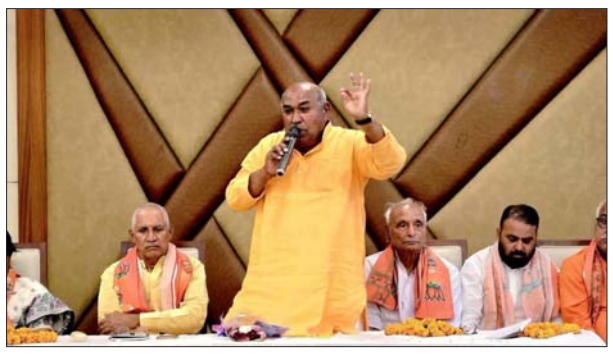

अंबेडकरनगर। अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के नगर मंडल और सैदापुर मंडल में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और ग्राम प्रधानों के साथ बैठक आयोजित की गई। इसमें एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय और विधानसभा प्रभारी कमला शंकर पांडेय शामिल हुए। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, क्षेत्रीय विकास कार्यों और जनसमस्याओं के समाधान पर चर्चा हुई।

बैठक में डॉ. हरिओम पांडेय ने कार्यकर्ताओं से आम लोगों के बीच सक्रिय रहने और उनकी समस्याओं को सुनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गरीबों, किसानों, श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं और जरूरतमंदों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि किसी पात्र व्यक्ति को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए और पीड़ितों की शिकायतों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। एमएलसी ने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार जनसंपर्क बनाए रखने की अपील की। उन्होंने जनसमस्याओं के समाधान के लिए संबंधित लोगों और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों के साथ क्षेत्र के विकास कार्यों और आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर संवाद किया गया।

शादी का झांसा देकर शोषण, मारपीट और अश्लील तस्वीरें प्रसारित करने का आरोप

एसपी से गुहार के बाद भी एफआईआर का इंतजार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शादी का भरोसा, फिर बच्चे के जन्म के बाद कथित तौर पर प्रताड़ना और अब शिकायत के बावजूद मुकदमा दर्ज होने का इंतजार। आलापुर थाना क्षेत्र की एक महिला ने गांव के युवक पर शोषण, मारपीट, अश्लील तस्वीरें प्रसारित करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि थाने से लेकर पुलिस अधीक्षक तक गुहार लगाने के बाद भी उसे अब तक प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी नहीं मिली है। छोटे बेटे की जिम्मेदारी के बीच वह कार्रवाई की उम्मीद लगाए है। मामला रामनगर महुवर (डिहवा) गांव का है। महिला ने दीपक पुत्र ओमकार पर आरोप लगाए हैं। ये आरोप फिलहाल महिला की शिकायत पर आधारित हैं। इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और आरोपी का पक्ष भी सामने नहीं आया है। पीड़िता के अनुसार, उसने पहले आलापुर थाने में शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर 16 अक्तूबर को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह को प्रार्थना पत्र दिया। महिला का दावा है कि एसपी ने थाना प्रभारी को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी उसे नहीं मिली है। आलापुर थाना प्रभारी शशांक शुक्ला के मुताबिक, मामला पुराना है और दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पंचायत कराई जा रही है।

हालांकि, घटना पुरानी होने मात्र से प्राथमिकी दर्ज करने पर स्वतः रोक नहीं लगती। शिकायत में संज्ञेय अपराध के तथ्य सामने आने पर पुलिस को कानून के अनुसार कार्रवाई करनी होती है। इस मामले में शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय होनी है।

महिला का कहना है कि बेटे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी उसी पर है। आर्थिक परेशानियों के बीच बच्चे की देखभाल करना उसके लिए मुश्किल हो रहा है। वह चाहती है कि उसकी शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई हो और उसे न्याय मिल सके।

17 साल की उम्र में शादी का भरोसा देने का आरोप

महिला के मुताबिक, करीब चार वर्ष पहले, जब उसकी उम्र लगभग 17 वर्ष थी, दीपक ने उसे शादी का भरोसा दिया और अपने साथ ले गया। उसका दावा है कि इस दौरान वह गर्भवती हुई और 16 मार्च 2023 को बेटे को जन्म दिया।

महिला का आरोप है कि बच्चे के जन्म के बाद युवक का व्यवहार बदल गया। मई 2024 में उसके साथ मारपीट की गई और उसे दिल्ली से वापस भेज दिया गया। उसने यह भी आरोप लगाया कि शादी से इनकार करने के बाद उसकी अश्लील तस्वीरें मोबाइल स्टेटस पर प्रसारित की गईं। विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी भी दी गई।

बच्चों से भरी स्कूल बस पलटी, तीन घायल सुल्तानगढ़ में मची अफरातफरी

पुलिस बस अनियंत्रित होने की वजह तलाश रही

- पेट्रोल पंप के पास हुआ हादसा, ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा
- बस पलटते ही मौके पर जुटे ग्रामीण
- पुलिस और विद्यालय प्रबंधन पहुंचा
- स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर फिर उठा सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

हजपुरा,अंबेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानगढ़ में शुक्रवार को स्कूली बच्चों से भरी नन्हू यादव बालिका इंटर कॉलेज की बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। पेट्रोल पंप के पास हुए इस हादसे में तीन बच्चे घायल हो गए। बस पलटते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई बड़ा नुकसान होने की सूचना नहीं है। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बस में सवार बच्चों को बाहर निकालने में मदद की। दुर्घटना में घायल तीन बच्चों को प्राथमिक उपचार दिया गया।

घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस और विद्यालय प्रबंधन भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस बस के अनियंत्रित होकर पलटने के कारणों की जांच कर रही है।

बच्चों को लेकर जा रही बस के पलटने की घटना ने स्कूल परिवहन की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, हादसा किस वजह से हुआ, यह पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस का प्रदर्शन बरियावन में निकाला गया पद मार्च

राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने उठाई निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस का अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वांचल जोन प्रभारी अभिषेक दत्त ने बरियावन और सैदापुर में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। बरियावन में उनके नेतृत्व में पद मार्च निकाला गया। इस दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में नारे लगाए गए और चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष बनाने की मांग उठाई गई।

जिले पहुंचने पर अभिषेक दत्त का जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में स्वागत किया गया। हालांकि, अचानक दिल्ली बुलाए जाने के कारण वह करबला जलालपुर, बसखारी ब्लॉक और सकरावल टांडा में प्रस्तावित कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो सके।

बरियावन में निकाले गए पद मार्च में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वोट चोरी के आरोपों को लेकर विरोध जताया। पार्टी ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाने की मांग की। कांग्रेस के अनुसार, मार्च में करीब 250 लोग शामिल हुए। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष मेराजुद्दीन किछौछवी, अमित जायसवाल, मोहम्मद अनीश खान, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत अहीर, श्रीराम यादव, विशाल पटेल, सहदावन अली उर्फ छोटू, अकबरपुर विधानसभा अध्यक्ष द्विजेंद्र नारायण शुक्ला, नंद कुमार गुप्ता दादू, गुलाम रसूल, छोटू और तौफीक अहमद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सैदापुर में मोहम्मद हुसैन अंसारी, मोहम्मद सलीम, राम दरस, मंशाराम राजभर, रामराज, संतराम राजभर, सिराज अहमद और वकील अहमद ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष राज बहादुर मिश्र ने की, जबकि संचालन ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद जियाउद्दीन अंसारी ने किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव, विशाल वर्मा, दिवाकर पांडेय, जैसराज, दीपक मिश्रा, राजू गुप्ता, विजय मिश्रा और डॉ. आरपी कौशल सहित पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे।

पौधों की मनमानी कीमत वसूलने पर लगेगी लगाम

निजी पौधशालाओं के लिए लाइसेंस अनिवार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

- बिना लाइसेंस संचालन पर जुर्माना और कारावास का प्रावधान, उचित दर पर गुणवत्तायुक्त पौधे उपलब्ध कराने की तैयारी

अंबेडकरनगर। जिले में अब निजी पौधशालाएं बिना लाइसेंस संचालित नहीं हो सकेंगी। पौधों की मनमाने दाम पर बिक्री की शिकायतों के बीच शासन ने निजी पौधशालाओं को लाइसेंस व्यवस्था के दायरे में लाने का निर्णय लिया है। बिना लाइसेंस पौधशाला चलाना अधिनियम-1976 का उल्लंघन होगा। इसके लिए जुर्माने और कारावास का प्रावधान है।

विभाग के अनुसार, निजी पौधशालाओं में पौधों की कीमतों को लेकर शासन, विभाग और जिला स्तर पर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। लोगों को उचित दर पर पौधे उपलब्ध कराने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। नई व्यवस्था के तहत निजी पौधशाला संचालकों को लाइसेंस लेना होगा। इसका उद्देश्य पौधशालाओं के संचालन को निर्धारित नियमों के दायरे में लाना और पौधों की बिक्री में मनमानी पर अंकुश लगाना है।

शासन की मंशा है कि लोगों को गुणवत्तायुक्त पौधे सुलभ दरों पर मिल सकें। इसके साथ ही लाइसेंस व्यवस्था से सरकारी राजस्व में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

जलालपुर में सुंदरकांड पाठ और राम के राजतिलक का आयोजन

गल्ला मंडी में हनुमान भक्ति में जुटे श्रद्धालु

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। नगर में गुरुवार रात दो धार्मिक आयोजन हुए। गल्ला मंडी परिसर में श्री रामलीला सांस्कृतिक समिति की ओर से सुंदरकांड पाठ कराया गया। वहीं, धर्मशाला परिसर में श्रीरामलीला समिति ने भगवान राम के राजतिलक का आयोजन किया। दोनों कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्री रामलीला सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष संदीप अग्रहरि के नेतृत्व में गल्ला मंडी परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पाठ में हिस्सा लिया। इस दौरान भगवान हनुमान के प्रति आस्था व्यक्त की गई और परिसर में भक्तिमय माहौल रहा। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में समिति के संरक्षक मानिकचंद सोनी, उपाध्यक्ष विकास निषाद, प्रबंधक सोनू गुप्ता और उप प्रबंधक सोनू गौड़ ने सहयोग किया।

दूसरी ओर, धर्मशाला परिसर में श्रीरामलीला समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी की अध्यक्षता में भगवान राम के राजतिलक का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राजतिलक की रस्म संपन्न की गई। इस दौरान श्रद्धालु मौजूद रहे और भगवान राम के जयकारे लगाए। आयोजन में पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश यादव, उपमंत्री दीपचंद सोनी, मेला मंत्री बेचन पांडेय, अंजनी लाल लड्डू और मीडिया प्रभारी विकास निषाद समेत समिति के पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए।

आरोप : न्यायालय के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शादी के बाद खुला बीमारी का राज!

- ऑपरेशन के लिए दो लाख मांगने का आरोप
- मारपीट और धमकी देने की शिकायत से मामला गरमाया

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शादी के बाद पत्नी की तबीयत बिगड़ी तो जांच कराई गई। इसके बाद पति ने दावा किया कि पत्नी की पहले ही ओपन हार्ट सर्जरी हो चुकी थी, लेकिन शादी से पहले उसे इसकी जानकारी नहीं दी गई। मामला यहीं नहीं रुका। पति ने ऑपरेशन के लिए दो लाख रुपये मांगने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप भी लगाए हैं। न्यायालय के आदेश पर राजेसुल्तानपुर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंकज ने आरोप लगाया कि 10 मार्च 2026 को उपेंद्र कुमार ने आकांक्षा के दोबारा ऑपरेशन के लिए दो लाख रुपये मांगे। रुपये देने का विरोध करने पर उन्हें दहेज के मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी गई।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि 10 मई को उपेंद्र कुमार, अजीत, अविनाश और दो अज्ञात लोग उनके घर पहुंचे। वहां गाली-गलौज और मारपीट की गई।

पंकज के मुताबिक, पुलिस से शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय का रुख किया। न्यायालय के आदेश पर राजेसुल्तानपुर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

सीओ जितेंद्र सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद होगी। मामले में दूसरे पक्ष का बयान सामने नहीं आया है।

शादी के बाद घबराहट और बेहोशी की शिकायत

भूपतपुर कोडरहा निवासी पंकज कुमार पांडेय के मुताबिक, उनका विवाह 25 अप्रैल 2025 को केदइरपुर निवासी आकांक्षा से हुआ था। पंकज का आरोप है कि शादी के समय आकांक्षा के पिता उपेंद्र कुमार और भाइयों अजीत व अविनाश ने उसे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बताया था। शिकायत के अनुसार, शादी के बाद आकांक्षा को घबराहट और बेहोशी की समस्या होने लगी। जांच-पड़ताल के दौरान पता चला कि लखनऊ स्थित केजीएमयू में उसकी ओपन हार्ट सर्जरी हो चुकी थी। पंकज का आरोप है कि यह जानकारी शादी से पहले उनसे छिपाई गई।

31 दिसंबर तक तारकोल पर मिलेगी सब्सिडी

110 सड़कों के निर्माण को मिलेगी रफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

- 30 सितंबर को खत्म हो रही थी राहत की अवधि, कीमतों में उछाल और आपूर्ति की कमी से जिले की 325 सड़कें हुई थीं प्रभावित

अंबेडकरनगर। जिले में अधूरी पड़ी करीब 110 सड़कों के निर्माण को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। शासन ने सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाले तारकोल की खरीद पर सब्सिडी देने की अवधि तीन महीने बढ़ा दी है। अब ठेकेदारों को 31 दिसंबर तक इसका लाभ मिलेगा। इससे बढ़ी कीमतों के कारण धीमे पड़े निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मध्य पूर्व में युद्ध के चलते तारकोल की आपूर्ति प्रभावित हुई थी। इसकी कीमतों में अचानक उछाल आने से सड़क निर्माण की लागत बढ़ गई। समय पर तारकोल नहीं मिलने से जिले में करीब 325 सड़कों का निर्माण प्रभावित हुआ। इसके बाद शासन ने बढ़ी कीमतों पर राहत देने के लिए 30 सितंबर तक सब्सिडी देने का निर्णय लिया था।

शासन की राहत से सड़क निर्माण कार्यों में तेजी आई, लेकिन निर्धारित अवधि खत्म होने तक करीब 110 सड़कों का काम पूरा नहीं हो सका। इसके बाद सब्सिडी की सुविधा नहीं मिलने से निर्माण की गति फिर प्रभावित होने लगी।

सम्पादकीय

संयुक्त राष्ट्र का रवैया

संयुक्त राष्ट्र अपनी महत्ता और विश्वसनीयता किस तरह खो रहा है, इसका ताजा प्रमाण है उसके मानवाधिकार और आतंकवाद-रोधी मामलों के विशेष प्रतिवेदक बेन साल की रिपोर्ट में यह कहा जाना कि आतंकी सरगना दाऊद इब्राहिम का गिरोह भारत आधारित है। इस पर हैरानी नहीं कि इस कारण उसे भारत की फटकार सुननी पड़ी।

अपनी इस फजीहत के लिए संयुक्त राष्ट्र स्वयं के अतिरिक्त अन्य किसी को दोष नहीं दे सकता। दाऊद इब्राहिम के बारे में ऐसी भ्रामक और नितांत झूठी जानकारी संयुक्त राष्ट्र के कामकाज के तरीकों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। समझना कठिन है कि आतंकी सरगना के रूप में दुनिया भर में कुख्यात दाऊद को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिवेदक इस नतीजे पर कैसे पहुंच गए कि वह भारत में सक्रिय है, जबकि पिछले कई दशकों से वह पाकिस्तान में रह रहा है।

भारत समय-समय पर इसके प्रमाण भी उपलब्ध कराता रहा है। इसके अतिरिक्त अमेरिका ने 2023 में दाऊद को वैश्विक आतंकी नामित किया था और उस पर इनाम भी रखा था। अमेरिका का यह भी निष्कर्ष था कि वह कराची में छिपा है। यही भारत कहता रहा है। दाऊद इब्राहिम को भारत आधारित गिरोह बताने वाली रिपोर्ट आस्ट्रेलिया के प्रोफेसर बेन साल के नेतृत्व में तैयार हुई है। संभव है कि इसे तैयार करने में उन लोगों का भी हाथ हो, जो भारत के प्रति दुराग्रह से ग्रस्त हैं। वैसे खुद बेन साल की विश्वसनीयता भी संदिग्ध है। एक रिपोर्ट के अनुसार उनके कार्यालय को चीन से भारी-भरकम राशि मिली थी। इसके बाद बेन साल ने चीन में उइगर मुसलमानों के अत्याचारों पर बयान जारी करने से इन्कार कर दिया था। संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-रोधी मामलों को देखने वालों की ओर से दाऊद के बारे में शरारतपूर्ण रिपोर्ट तैयार किए जाने से यही लगता है कि आतंक के मामले में उन्होंने कामचलाऊ रवैया अपना रखा है। शायद इसका कारण संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों में पाकिस्तान जैसे कई ऐसे देशों का सक्रिय होना भी है, जो खुले-छिपे रूप से आतंक की पैरवी करते हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि चीन किस तरह उसे भारत के खिलाफ अपना मोहरा बनाए हुए है। यह अच्छा हुआ कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र को याद दिलाया कि दाऊद उसी पाकिस्तान में रहता है, जहां ओसामा बिन लादेन पाया गया था। यह चिंताजनक है कि अभी हाल में संयुक्त राष्ट्र की ओर से भारत में हो रहे प्रदर्शनों से निपटने के तरीकों पर भी चिंता जताई गई थी। यह अनावश्यक चिंता थी और इस पर भी उसे भारत के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिरोध से अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी सहमति जताई थी। यदि संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रतिष्ठा बचाना चाहता है तो उसे अपना रवैया सुधारना ही होगा।

आखिर क्यों धधक रहा है फ्रांस और अन्य यूरोपीय देश?

यूरोप में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों, दंगों, आगजनी और पुलिस के साथ टकराव को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं समझा जा सकता। चूंकि इसके पीछे आर्थिक असंतोष, सामाजिक विभाजन, आव्रजन और एकीकरण की बहस, राजनीतिक ध्रुवीकरण, युवाओं में भविष्य को लेकर चिंता तथा पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास का संकट जैसे कई कारक हो सकते हैं। लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती। इससे आत्ताइयों के हौसले बुलंद हैं और लोकतांत्रिक सोच अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है।भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं।

सवाल है कि अक्टूबर 2026 में फ्रांस में वास्तव में क्या हो रहा है? तो जवाब होगा कि फ्रांस में सितंबर के अंत से शुरू हुआ छात्र आंदोलन अक्टूबर में व्यापक अशांति में बदल गया। प्रारंभिक असंतोष स्कूलों की खराब सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को लेकर था। बाद में महँगाई, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दे भी आंदोलन से जुड़ गए। आखिर पेरिस सहित कई शहरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव हुए।

कमलेश पांडेय

संयुक्त राष्ट्र की साख पर सवाल सुधार से ही बचेगी प्रतिष्ठा

> संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी सुरक्षा परिषद की संरचना में दिखाई देती है। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को प्राप्त वीटो अधिकार कई बार वैश्विक शांति से अधिक उनके राष्ट्रीय हितों की रक्षा का माध्यम बन जाता है।

संयुक्त राष्ट्र दिवस केवल एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना का उत्सव नहीं, बल्कि विश्व शांति, मानवाधिकारों, न्याय, समानता और राष्ट्रों के बीच सहयोग के उन संकल्पों को याद करने का अवसर है, जिनके आधार पर द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद इस संगठन की स्थापना हुई थी। 24 अक्टूबर, 1945 को संयुक्त राष्ट्र चार्टर लागू होने के साथ दुनिया ने एक ऐसी व्यवस्था की उम्मीद की थी, जिसमें युद्ध की जगह संवाद, टकराव की जगह सहयोग और शक्ति के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता मिलेगी। किंतु आज, जब दुनिया अनेक युद्धों, आतंकवाद, भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और मानवीय संकटों से जूझ रही है, तब संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, निष्पक्षता और प्रभाव-शीलता पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। जिस संगठन से विश्व समुदाय को न्याय की अपेक्षा थी, उसकी कार्यप्रणाली ही संदेह के घेरे में आने लगे तो आत्ममंथन अनिवार्य हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियों को नकारना उचित नहीं होगा। उसने अंतरराष्ट्रीय संवाद के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराया, मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के माध्यम से मानवीय गरिमा के वैश्विक मानक स्थापित किए और अनेक देशों में शांतिरक्षा अभियानों के जरिए स्थिरता बहाल करने का प्रयास किया। विश्व स्वास्थ्य, बाल कल्याण, शिक्षा, शरणार्थियों की सहायता तथा सतत विकास के क्षेत्रों में उसकी विभिन्न संस्थाओं ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसके बावजूद मूल प्रश्न यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र अपने सबसे महत्वपूर्ण दायित्व-युद्ध रोकने, आतंकवाद पर प्रभावी अंकुश लगाने और सभी राष्ट्रों के साथ समान व्यवहार करने में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर पाया है? आज का अनुभव इस प्रश्न का संतोष-जनक उत्तर नहीं देता। जब किसी युद्ध या मानवीय त्रासदी पर प्रभावी निर्णय भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण रुक जाता है, तब संयुक्त राष्ट्र की घोषणाएं और अपीलें अपनी नैतिक शक्ति खोने लगती हैं। गाजा, यूक्रेन और सीरिया जैसे संघर्षों ने यह प्रश्न तीखा किया है कि क्या विश्व शांति का दायित्व निभाने वाला संगठन वास्तव में निर्णायक भूमिका निभाने में सक्षम है? विडंबना यह है कि दुनिया बदल गई, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की निर्णय व्यवस्था काफी हद तक उसी पुराने शक्ति-संतुलन में बंधी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों का ताजा उदाहरण दाऊद इब्राहिम और उसके गिरोह डी-कंपनी से जुड़ा विवाद है। आतंकवाद और मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक बेन साल की रिपोर्ट में डी-कंपनी को 'भारत आधारित' आपराधिक गिरोह बताया गया। भारत ने 21 अक्टूबर 2026 को संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में इस विवरण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे तथ्यात्मक रूप से गलत और संगठन की साख को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। भारतीय प्रतिनिधि रघु पुरी ने दाऊद के आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े इतिहास और संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में दर्ज तथ्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि दाऊद भारत में वांछित अपराधी है और भारत के अनुसार पाकिस्तान में रह रहा है।

यह प्रकरण इसलिए गंभीर है कि आतंकवाद जैसे संवेदनशील विषय पर तथ्यात्मक शुद्धता और निष्पक्षता सर्वोपरि होनी चाहिए। किसी आतंकवादी गिरोह की भौगोलिक पहचान को लेकर गलत या अधूरी जानकारी सामने आना केवल एक रिपोर्ट की त्रुटि नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी प्रयासों की विश्वसनीयता का प्रश्न है। हालांकि किसी एक रिपोर्ट की गलती से पूरे संगठन के प्रत्येक कार्य को खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन ऐसी त्रुटियों की जांच, सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। विशेष प्रतिवेदकों की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, किंतु स्वतंत्रता का अर्थ तथ्यों और उत्तरदायित्व से मुक्त होना नहीं है। इसी प्रकार मानवाधि-कारों के मामले में भी संयुक्त राष्ट्र को संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। मानवाधिकार किसी राष्ट्र की सीमाओं में कैद विषय नहीं हैं, लेकिन उनकी रक्षा के नाम पर किसी देश के विरुद्ध निष्कर्ष निकालने से पहले प्रमाणों, परिस्थितियों और आतंकवाद से प्रभावित नागरिकों के अधिकारों को समान गंभीरता से देखना चाहिए। आतंकवाद के पीड़ितों के मानवाधिकार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने आतंकवाद से निपटने के दौरान किसी निर्दोष व्यक्ति के अधिकार। यदि आतंकवाद के प्रायोजकों, हिंसा के जिम्मेदार लोगों और पीड़ितों के प्रति दृष्टिकोण में असमानता दिखाई देती है, तो निष्पक्षता पर संदेह स्वाभाविक है। संयुक्त राष्ट्र के सामने एक दूसरी बड़ी चुनौती प्रतिनिधित्व की असमानता है। भारत, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों की बढ़ती वैश्विक भूमिका के बावजूद सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता और वीटो व्यवस्था में व्यापक सुधार नहीं हो पाया है। दुनिया की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय वास्तविक-ताओं को प्रतिबिंबित करने वाली व्यवस्था के बिना संयुक्त राष्ट्र को अधिक लोकतांत्रिक और प्रतिनिधिक बनाना कठिन है। आतंकवाद के विरुद्ध साझा रणनीति, युद्धविराम की प्रभावी व्यवस्था, मानवीय सहायता की निर्बाध उपलब्धता और अंतरराष्ट्रीय कानून के समान अनुपालन को भी प्राथमिकता देनी होगी। संयुक्त राष्ट्र दिवस पर आत्ममंथन का वास्तविक अर्थ केवल उसकी उपलब्धियों का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी कमियों को स्वीकार कर सुधार का संकल्प लेना है। संगठन को अपने निर्णयों में पारदर्शिता, रिपोर्टों में तथ्यात्मक शुद्धता, अधिकारियों की जवाबदेही और सभी देशों के प्रति निष्पक्षता सुनिश्चित करनी होगी। वीटो अधिकार के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने, सुरक्षा परिषद के विस्तार और आतंकवाद के विरुद्ध दोहरे मानदंड समाप्त करने की दिशा में ठोस पहल करनी होगी। आज जब दुनिया युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, मानवीय संकट और राष्ट्रों के बीच बढ़ते अविश्वास के दौर से गुजर रही है, तब संयुक्त राष्ट्र दिवस की प्रासंगिकता और जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

ललित गर्ग

भारत ने गरीबी कम ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

जनहित ही जनादेश जनतंत्र जनकल्याण हेतु

भारतीय जनतंत्र को जनता के कल्याण पर केंद्रित करने का सबसे विश्वसनीय आधार स्वयं भारतीय संविधान में मौजूद है। संविधान के अनुच्छेद 38 में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय पर आधारित व्यवस्था स्थापित करने तथा आय, प्रतिष्ठा, सुविधाओं और अवसरों की असमानताओं को कम करने का निर्देश दिया गया है। अनुच्छेद 39 आजीविका, संसाधनों के जनहित-कारी वितरण और आर्थिक शक्ति के संकेंद्रण को रोकने जैसे उद्देश्यों पर बल देता है। अनुच्छेद 47 पोषण, जीवन स्तर और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार को राज्य के प्रमुख दायित्वों में रखता है। इन संवैधानिक आदर्शों को शासन के दैनिक निर्णयों, बजट और प्रशासनिक जवाबदेही में उतारना ही जनकल्याणकारी जनतंत्र की दिशा में पहला कदम है।

जनकल्याणकारी जनतंत्र का अर्थ केवल गरीबों को आर्थिक सहायता देना या चुनाव से पहले नई योजनाओं की घोषणा करना नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार, न्याय और विकास के समान अवसर प्राप्त हों। सरकार की सफलता का मूल्यांकन केवल सकल घरेलू उत्पाद, विदेशी निवेश, शेयर बाजार अथवा बड़ी परियोज-नाओं से नहीं होना चाहिए। यह भी देखना चाहिए कि आम परिवार की आय कितनी बढ़ी, बच्चों की शिक्षा कितनी बेहतर हुई, इलाज का खर्च कितना कम हुआ और नागरिकों को सरकारी सेवाएं प्राप्त करने में कितनी कठिनाई हुई।

भारत ने गरीबी कम करने और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के जनवरी 2024 में प्रकाशित चर्चा पत्र के अनुसार, बहुआयामी गरीबी का अनुमानित अनुपात 2013-14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हुआ। इस अवधि में लगभग 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। यह अनुमान विभिन्न सर्वेक्षण अवधियों के आंकड़ों और बाद के वर्षों के अनुमानों पर आधारित है, इसलिए इसे प्रत्यक्ष रूप से प्रत्येक वर्ष मापी गई गरीबी का आंकड़ा नहीं समझना चाहिए। यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि गरीबी, बेरोजगारी, कुपोषण और आर्थिक असमानता की समस्याएं समाप्त हो गई हैं। जनतंत्र को उपलब्धियों के साथ शेष चुनौतियों का भी ईमानदार आकलन करना चाहिए।

सबसे पहले, रोजगार को सरकारी नीतियों का केंद्रीय लक्ष्य बनाना होगा। युवाओं को केवल डिग्री देना पर्याप्त नहीं है; उन्हें ऐसे कौशल चाहिए, जिनकी वास्तविक अर्थव्यवस्था में मांग हो। विनिर्माण, कृषि प्रसंस्करण, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवाओं, निर्माण, अनुसंधान, डिजिटल कारोबार और हरित ऊर्जा में रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। छोटे उद्यमों को सस्ता ऋण, सरल पंजीकरण, समय पर भुगतान और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। सरकारी रोजगार योजनाओं का मूल्यांकन केवल प्रशिक्षित युवाओं की संख्या से नहीं, बल्कि प्रशिक्षण के बाद प्राप्त रोजगार, वेतन, रोजगार की स्थिरता और स्वरोजगार से होने वाली आय के आधार पर किया जाना चाहिए।

दूसरा आवश्यक कदम शिक्षा और स्वास्थ्य को वास्तविक जनसेवा बनाना है। सरकारी विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, आधुनिक शिक्षण सामग्री, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं और नियमित शैक्षणिक मूल्यांकन सुनिश्चित किए जाने चाहिए। उच्च शिक्षा को केवल प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित रखने के बजाय छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों, चिकित्सकों, जांच सुविधाओं और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाई जाए। बीमारी के कारण परिवारों को कर्ज लेने अथवा संपत्ति बेचने की नौबत नहीं आनी चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय को दीर्घकालीन सामाजिक निवेश समझना होगा, न कि केवल बजट का खर्च।

तीसरा, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किए बिना जनकल्याण का लक्ष्य अधूरा रहेगा। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सिंचाई, भंडारण, शीतगृह, कृषि अनुसंधान, प्रसंस्करण और बाजार संपर्क को बेहतर बनाना आवश्यक है।

मण्डी समितियों...

प्रदीप कुमार/ ओबैदुर रहमान

आधुनिक कृषि विपणन व्यवस्था को सशक्त बना रही मण्डी परिषद

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारशिला है और किसानों की समृद्धि का मार्ग उनकी उपज के उचित मूल्य, पारदर्शी विपणन व्यवस्था तथा आधुनिक कृषि अवसंरचना से होकर गुजरता है। कृषि उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने, मण्डियों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने और किसानों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में उत्तर प्रदेश मण्डी परिषद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रदेश में मण्डी सुविधाओं के विस्तार, ई-नाम एवं ई-मण्डी जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं, कृषि उत्पादों के निर्यात और किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से कृषि विपणन व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है।

मण्डी परिषद की वित्तीय स्थिति में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अगस्त माह तक कुल 857.30 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अगस्त 2026 तक यह आय बढ़कर 875.31 करोड़ रुपये हो गई। इस प्रकार गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में मण्डी परिषद की आय में 2.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि प्रदेश में कृषि विपणन से जुड़ी गतिविधियों और मण्डी व्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयासों को रेखांकित करती है। कृषि उत्पादों के विपणन में पारदर्शिता बढ़ाने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) के अंतर्गत प्रदेश की 162 मण्डियों में डिजिटल व्यापार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत 01 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2026 तक 1,575 करोड़ रुपये से अधिक का डिजिटल व्यापार किया गया। ई-नाम के माध्यम से कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री को डिजिटल मंच से जोड़ने का उद्देश्य किसानों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना, व्यापारिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना तथा उपज के मूल्य निर्धारण में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है। इससे कृषि विपणन व्यवस्था को आधुनिक बनाने और किसानों को बाजार आधारित अवसरों से जोड़ने में मदद मिल रही है।

मण्डी समितियों के आंतरिक कार्यों को ऑनलाइन करने के उद्देश्य से संचालित ई-मण्डी योजना ने लाइसेंस निर्गमन और अन्य प्रक्रियाओं को डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। 01 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2026 तक लगभग 11,894 ई-मण्डी लाइसेंस निर्गत किए गए। इसी अवधि में ई-मण्डियों के माध्यम से लगभग एक करोड़ 58 लाख से अधिक ऑनलाइन पर्चियां भी जारी की गईं। ऑनलाइन व्यवस्था से मण्डियों के कार्यों को अधिक व्यवस्थित बनाने, अभिलेखों के डिजिटलीकरण और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने में सहायता मिल रही है। डिजिटल सेवाओं का विस्तार किसानों, व्यापारियों और आढ़तियों के लिए मण्डी संबंधी कार्यों को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और कृषि विपणन से जुड़े लाभार्थियों को सहयोग प्रदान करने के लिए मण्डी परिषद द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

जरा हटके

विकास खंड बलरामपुर...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रभावी क्रियान्वयन से आत्मनिर्भरता को मिल रही दिशा

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अंत्योदय और समावेशी विकास की प्राथमिक-ताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुलभ जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त समन्वय से विकास खंड बलरामपुर परिसर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह पहल आकांक्षी जनपद में दिव्यांगजनों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें स्वावलंबन और सम्मानजनक आजीविका की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी प्रशासनिक प्रयास है।

शासन की सुस्पष्ट नीति के अनुसार दिव्यांगजन समाज के अत्यंत संवेदन-शील और सामर्थ्यवान अंग हैं। सरकार का ध्येय केवल तात्कालिक राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक सहायक उपकरणों एवं तकनीकों से युक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। जब किसी दिव्यांगजन को गतिशीलता और आवश्यक तकनीक का संबल मिलता है, तो वह अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने में सक्षम होता है।

विकास खंड बलरामपुर परिसर में आयोजित विशेष शिविर में पूर्व में कराए गए तकनीकी परीक्षणों के आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया से चिह्नित कुल 108 पात्र लाभार्थियों को आवश्यकतानुसार आधुनिक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। शारीरिक दिव्यांगता से प्रभावित लाभार्थियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 25 आधुनिक ट्राई साइकिल और 12 व्हीलचेयर प्रदान की गईं, जिससे उनकी दैनिक गतिशीलता में उल्लेखनीय सुधार होगा और दैनिक क्रियाकलापों के लिए दूसरों पर निर्भरता समाप्त होगी। श्रवण दिव्यांगता से ग्रसित 36 लाभार्थियों को उच्च गुणवत्ता की डिजिटल हियरिंग एड उपलब्ध कराई गई, जिससे वे सामाजिक संवाद और सामान्य दिनचर्या में सुगमता से भाग ले सकें। दृष्टिबाधित लाभार्थियों को सुरक्षित और स्वतंत्र आवागमन के लिए 17 आधुनिक स्मार्ट केन तथा शैक्षणिक संवर्धन हेतु 08 ब्रेल किट प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों के मानसिक संवर्धन और दैनिक क्रियाकलापों को सहज बनाने के लिए 10 विशेष मानसिक मंदता (एमआर) किट उनके अभिभावकों को सौंपी गईं।

आकांक्षी एवं सीमावर्ती जनपद होने के दृष्टिगत बलरामपुर में सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी समस्त कल्याणकारी योजनाओं के शत-प्रतिशत संतृप्तीकरण पर जिला प्रशासन द्वारा विशेष बल दिया जा रहा है। ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में निवासरत पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं से आच्छादित करने के लिए विकास खंड स्तर पर नियमित चिह्नांकन और स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासनिक स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सूचना के अभाव, भौगोलिक दूरी अथवा प्रक्रियात्मक जटिलता के कारण शासकीय लाभ से वंचित न रहे।

सहायक उपकरण वितरण के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों को राज्य एवं केंद्र सरकार की दीर्घकालिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का समन्वित कार्य किया जा रहा है। पात्र व्यक्तियों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) से संतृप्त किया जा रहा है, ताकि वे देश भर में मान्यता प्राप्त एक समान पहचान के आधार पर समस्त शासकीय सेवाओं का निर्बाध लाभ प्राप्त कर सकें। जनपद में दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (पेंशन योजना), शल्य चिकित्सा अनुदान तथा दुर्घटना बीमा योजनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष तंत्र सक्रियता से कार्य कर रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में वितरित किए जाने वाले सभी उपकरणों की गुणवत्ता, स्थायित्व और मानकीक-रण पर विशेष प्रशासनिक निगरानी रखी जा रही है। वितरण के उपरांत लाभार्थियों को उपकरणों के समुचित रख-रखाव, उपयोग के सही तौर-तरीकों तथा किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान हेतु मौके पर ही व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे प्रदत्त संसाधनों की अधिकतम उपयोगिता और दीर्घकालिक प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। दैनिक जीवन में गतिशीलता और स्वावलंबन प्राप्त होने से दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास में प्रत्यक्ष वृद्धि होती है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए ये उपकरण प्राथमिक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने, व्यावसायिक कौशल सीखने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जिससे उनके परिवारों पर देखभाल की जटिलताएं भी कम होती हैं। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अंत्योदय और समावेशी विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुलभ जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिक-रण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त समन्वय से विकास खंड बलरामपुर परिसर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन सफल-तापूर्वक संपन्न हुआ। जनपद बलरामपुर में दिव्यांगजनों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें स्वावलंबन और सम्मानजनक आजीविका की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में यह एक प्रभावी प्रशासनिक प्रयास है।

शासन की सुस्पष्ट नीति के अनुसार दिव्यांगजन समाज के अत्यंत संवेदनशील और सामर्थ्यवान अंग हैं। सरकार का ध्येय केवल तात्कालिक राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक सहायक उपकरणों एवं तकनीकों से युक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। जब किसी दिव्यांगजन को गतिशीलता और आवश्यक तकनीक का संबल मिलता है, तो वह अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने में सक्षम होता है।

लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत ■ गन्ने का दाम बढ़ाने की मांग

वोट चोर सरकार गन्ने धान की चोरी कर रही : टिकैत

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में गन्ने का दाम बढ़ाने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत चल रही है। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा-ये लोग तो चोरी कर रहे। इन्होंने धान की चोरी करी, गन्ने की चोरी करी, मंदिर में चोरी करी, चंदे की चोरी करी, वोट की चोरी करी। ये तो चोर हैं पकड़े जा रहे। लेकिन जज भी इन्हीं का है और वकील भी इन्हीं के हैं। पुलिस भी, आईओ भी इन्हीं का है। भाकियू युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत ने कहा- खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन उपज का दाम नहीं मिल रहा। 2022 में किसानों की आमदनी दोगुनी करने की बात कही गई थी, लेकिन किसान अब भी परेशान हैं।

लखनऊ के गन्ना संस्थान परिसर में हो रही महापंचायत में एक हजार से अधिक किसान पहुंचे हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिला किसान भी शामिल हैं। किसानों ने राकेश टिकैत का फूल बरसाकर स्वागत किया। किसान पंचायत में राकेश टिकैत का फूल बरसाकर स्वागत किया गया। भारतीय किसान यूनियन युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत ने कहा कि गन्ना किसान परेशान हैं। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान अपनी समस्याएं सरकार और गन्ना आयुक्त के सामने रखने के लिए महापंचायत में पहुंचे हैं।

> महापंचायत में शामिल होने के लिए किसान गुरुवार से ही पहुंचने लगे थे। हालांकि, गन्ना संस्थान का गेट बंद होने और अनुमति नहीं मिलने की जानकारी पर किसान नाराज हो गए। इसके बाद राकेश टिकैत के साथ एक हजार से अधिक किसान रात में ही गेट पर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। किसानों का गुस्सा बढ़ता देख प्रशासन ने महापंचायत की अनुमति दे दी और सुबह गेट खुलवा दिए।

चीनी का रेट बढ़ा लेकिन गन्ने का रेट नहीं मिला-राकेश टिकैत

राकेश टिकैत ने कहा- किसानों को गन्ने का पिछले साल का भुगतान नहीं मिला है। गन्ने का रेट भी कम है। चीनी का रेट बढ़ रहा लेकिन किसानों को लाभ नहीं मिल रहा। किसानों के फसलों का रेट भी कम है। बिना सर्किल रेट बढ़ाए जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा। फसल से ज्यादा किसान जमीन के लिए संघर्ष कर रहा। हाईवे निकल रही, इंडस्ट्रियल जोन बन रही। किसानों की आय दुगुनी करने पर सरकार झूठ बोल रही है।

राकेश टिकैत बोले-सरकार धान-गन्ने से लेकर वोट तक की चोरी कर रही

राकेश टिकैत ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा- ये लोग तो चोरी कर रहे। इन्होंने धान की चोरी करी, गन्ने की चोरी करी, मंदिर में चोरी करी, चंदे की चोरी करी, वोट की चोरी करी। ये तो चोर हैं पकड़े जा रहे। लेकिन जज भी इन्हीं का है और वकील भी इन्हीं के हैं। पुलिस भी, आईओ भी इन्हीं का है।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने टीजीटी के 17,735 पदों पर निकाली भर्ती

23 व 24 दिसंबर को आयोजित होगी परीक्षा

तमसा संकेत, एजेंसी

- अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में होगी शिक्षकों की नियुक्ति आवेदन हेतु 'ओटीआर' अनिवार्य
- 24 अक्टूबर से शुरू होंगे ऑनलाइन आवेदन, 23 नवंबर तक जमा होगा शुल्क; 23 व 24 दिसंबर को आयोजित होगी परीक्षा

लखनऊ/ प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक सहायक अध्यापक (T.G.T.) के रिक्त 17,735 पदों पर सीधी भर्ती हेतु आधिकारिक विज्ञापन (विज्ञापन संख्या- 07/2026) जारी कर दिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार द्वारा बताया गया है कि विज्ञापित पदों के सापेक्ष आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की सुगमता एवं प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के दृष्टिगत 'वन टाइम रजिस्ट्रेशन' (OTR) व्यवस्था लागू की गई है। अभ्यर्थियों के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि वे पहले ओटीआर प्रक्रिया पूर्ण करें, उसके उपरांत ही प्रशिक्षित स्नातक सहायक अध्यापक पद हेतु अपना ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें। विज्ञापित पदों की शैक्षिक अर्हता एवं पात्रता के संबंध में अलग से कोई व्यक्तिगत परामर्श नहीं दिया जाएगा। अतः अभ्यर्थी विस्तृत विज्ञापन निर्देश पुस्तिका आयोग की आधिकारिक वेबसाइट [suspicious link removed] पर जाकर ध्यानपूर्वक पढ़ सकते हैं। निर्धारित अर्हता पूरी करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का भली-भांति अध्ययन करने के बाद निर्धारित तिथियों में अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

कुष्ठ रोग उन्मूलन के लिए कार्ययोजना

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कुष्ठ रोग के नए मामलों की शीघ्र पहचान, संक्रमण की रोकथाम और दिव्यांगता में कमी लाने के लिए पांच वर्षीय कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसके तहत प्राथमिकता वाले जिलों और ब्लॉकों की पहचान, स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण, नियमित समीक्षा और प्रभावित लोगों को जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

लखनऊ में डेंगू के 13 नए संक्रमित मिले

लखनऊ । लखनऊ में डेंगू के नए मरीज मिलने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को 13 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इनमें इंदिरा-नगर में सबसे ज्यादा 5, चंदरनगर में 4, अलीगंज और रेडक्रास में 2-2 मरीज मिले। वहीं, फैजुल्लागंज के हनुमंतनगर और गाजीपुर बलराम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 70 घरों का सर्वे किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फैजुल्लागंज की प्रभारी डॉ. आसमा ने आशा और ANM की टीम के साथ शुक्रवार को स्वास्थ्य सर्वे किया। इस दौरान लोगों को जरूरी दवाएं, क्लोरीन की गोलियां और ORS के पैकेट बांटे गए।

दो टाटा मैजिक गाड़ियों में लगी आग

लखनऊ। लखनऊ के अमीनाबाद के मॉडल हाउस स्थित तारक मुखर्जी रोड और कैंट रोड के उदयगंज में शुक्रवार तड़के दो टाटा मैजिक गाड़ियों में आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की टीमों ने आग पर काबू पा लिया। दोनों घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई। शुक्रवार रात 1:54 बजे हजरतगंज फायर स्टेशन के कंट्रोल रूम को अमीनाबाद के मॉडल हाउस स्थित तारक मुखर्जी रोड पर टाटा मैजिक हाफ डाला में आग लगने की सूचना मिली।

ओवरब्रिज पर कार और बाइक की टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ के पारा ओवरब्रिज पर शुक्रवार को स्विफ्ट कार और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार भूपेंद्र (21) गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उसे लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक, भूपेंद्र पुत्र ललित लाल नगर, हरदोईया मोड़, थाना काकोरी का निवासी है। वह बाइक से जा रहा था। बताया जा रहा है कि वह रॉन्ग साइड से ओवरब्रिज पर चढ़ रहा था। इसी दौरान अवध चौराहे की तरफ से आ रही स्विफ्ट कार से उसकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोपहिया वाहन कार में जा घुसा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ओवरब्रिज पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने घायल को अस्पताल भिजवाया और यातायात सुचारु कराने का प्रयास किया।

> ट्यूटी पर जा रहा युवक घायल, हालत नाजुक होने पर ट्रामा सेंटर रेफर

हादसे में शामिल स्विफ्ट कार का नंबर यूपी32एनके1079 और दोपहिया वाहन का नंबर यूपी32केबी6332 बताया जा रहा है। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, कार चालक समेत उसमें सवार लोग मौके से फरार हो गए।

जज बोले- हत्या जैसे गंभीर आरोप, जमानत नहीं दे सकते, बहन और ड्राइवर को भी राहत नहीं

मॉडल श्रद्धा दुबे जेल में ही रहेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में शुक्रवार को आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की जमानत खारिज कर दी गई। श्रद्धा की बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर उर्फ दानिश को भी राहत नहीं मिली।

तीनों ने CJM कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। कोर्ट ने अपराध को गंभीर मानते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा-मामला गंभीर प्रकृति का है और इसका ट्रायल सेशन कोर्ट में होना है। ऐसे में जमानत देने का उचित आधार नहीं बनता है।

श्रद्धा समेत तीनों आरोपियों को 20 अक्टूबर को नागपुर के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया था। गुरुवार को लखनऊ में 6 घंटे 35 मिनट तक पूछताछ की गई। इसके बाद तीनों को 10 दिन के लिए जेल भेज दिया गया।

शिवा पर 16-17 लाख का कर्ज था

श्रद्धा ने दावा किया कि शिवा पर करीब 16-17 लाख रुपए का कर्ज था और उसने उससे पैसे मांगे थे। श्रद्धा के मुताबिक, एक महीने पहले शिवा उसके घर से 5-6 लाख रुपए की ज्वेलरी ले गया था। उसने इसे दोनों का निजी मामला बताया।

लखनऊ में 9 अक्टूबर को शिवा की श्रद्धा के फ्लैट से गिरकर मौत हो गई थी। शिवा की मां ने श्रद्धा के खिलाफ हत्या की FIR दर्ज कराई थी, जिसके बाद से श्रद्धा फरार चल रही थी। श्रद्धा ने कहा कि उसने शिवा को चौथी मंजिल से कूदते हुए अपनी आंखों से देखा था। बिल्डिंग के CCTV फुटेज निकलने पर वह बेकसूर साबित हो जाएगी। श्रद्धा ने कहा कि शिवा की मौत के बाद वह सदमे में थी और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी। उसने आरोप लगाया कि शिवा के परिवार ने उसके ड्राइवर से मारपीट की और हत्या का आरोप लगाया, जिससे वह घबरा गई।

लखनऊ जेल में श्रद्धा और उसकी बहन अलग-अलग बैरक में

गुरुवार देर शाम जेल में दाखिले के दौरान श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और चालक तनवीर अली उर्फ दानिश की तलाशी ली गई। श्रद्धा ने कुछ आपत्ति जताई, लेकिन जेल अधिकारियों ने उसकी एक नहीं सुनी। इसके बाद जेल के डॉक्टरों और फार्मासिस्ट ने तीनों का मेडिकल परीक्षण किया। जेल रिकॉर्ड में उनका व्यक्तिगत और पारिवारिक ब्योरा दर्ज किया गया। जेल में दाखिले की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद श्रद्धा और उसकी बहन रश्मि को महिला बैरक के क्वारंटाइन बैरक में अन्य महिला बंदियों से अलग रखा गया। वहीं, चालक दानिश को पुरुष बैरक में बंद किया गया।

- श्रद्धा के मुताबिक, वह शिवा को करीब चार महीने से जानती थी। शुरुआत के ढाई महीने तक दोनों दोस्त थे। उसने आरोप लगाया कि शिवा की मां उसे पसंद नहीं करती थीं, इसलिए उस पर गलत आरोप लगाए गए।

गोवंश संरक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, प्रदेशभर की गौशालाओं की नियमित निगरानी के निर्देश

गौशालाओं में लापरवाही पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद सख्त

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने गौशालाओं में गोवंश के संरक्षण, देखभाल एवं व्यवस्थाओं में लापरवाही के मामलों को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। बदायूँ जनपद के दो खंड विकास अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की गई है,। कासगंज जनपद के पटियाली विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री संजीव कुमार को कथित वीडियो प्रकरण के संबंध में निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध किया गया है।*

मौर्य ने बदायूँ जनपद के म्याऊँ विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री राकेश कुमार निराला को अभिगांव गौशाला में 20 गोवंश की मृत्यु के मामले में प्रथमदृष्टया जिम्मेदार पाया गया है। गौशाला की निर्धारित क्षमता 100 गोवंश होने के बावजूद वहां 428 गोवंश संरक्षित पाए गए। जनपद में पूर्व से रेड अलर्ट जारी होने के बावजूद अस्थायी व्यवस्था एवं अतिरिक्त शेड की व्यवस्था नहीं कराए जाने को गंभीर लापरवाही माना गया है। इस प्रकरण में उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999 के नियम-7 के अंतर्गत अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित करते हुए संयुक्त विकास आयुक्त, बरेली मंडल को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

इसी प्रकार, बदायूँ के सालारपुर विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री नितिन कुमार के विरुद्ध गौशाला में 14 गोवंश की मृत्यु एवं लापरवाही के मामले में अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित की गई है। एक कथित वीडियो का स्वतः संज्ञान लेते हुए श्री मौर्य ने कासगंज जनपद के पटियाली विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री संजीव कुमार से संबंधित सामने आने के बाद प्रथमदृष्टया गंभीर अनियमितता के संकेतों को देखते हुए उन्हें निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध किया गया है।

> बदायूँ के दो खंड विकास अधिकारियों पर अनुशासनिक कार्रवाई

> मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश की सभी गौशालाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। जहां भी अव्यवस्था, अनियमितता, संसाधनों की कमी अथवा गोवंश की देखभाल में लापरवाही सामने आए, वहां संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

कोहरे में एक्सप्रेसवे पर घटेगी वाहनों की रफ्तार

लखनऊ । सर्दियों में कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने तैयारी शुरू कर दी है। आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गोरखपुर लिंक और गंगा एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। सभी संबंधित एजेंसियों को 31 अक्टूबर 2026 तक जरूरी तैयारियां पूरी करनी होंगी।

1 नवंबर से 15 फरवरी तक स्पीड लिमिट लागू होगी। इसके तहत वाहनों की गति सीमा कम करने, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करने, कोहरा गश्ती दल तैनात करने और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए हैं। यूपीडा के सीईओ दीपक कुमार ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। कोहरे के दौरान कम दिखाई देने से हादसों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सभी एजेंसियों को समय पर सुरक्षा इंतजाम पूरे करने और गति सीमा का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इको गार्डन के बाहर आशा बहनों का प्रदर्शन

अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरीं आशा बहनें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में इको गार्डन के बाहर शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहीं आशा बहनों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी कर अपनी मांगों को उठाया और सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। सड़क जाम होने से आवागमन प्रभावित हुआ और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इको गार्डन में पिछले कई दिनों से विभिन्न स्वास्थ्यकर्मी अपनी मांगों और अधिकारों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को आशा बहनों ने भी आंदोलन में भाग लेते हुए सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन-कारी अपनी मांगों का समाधान किए जाने की मांग कर रही थीं। उनका कहना था कि समस्याओं पर ध्यान देकर उचित कदम उठाए जाएं। आंदोलन के चलते क्षेत्र में कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। आशा बहनों ने मांगें पूरी होने तक अपनी आवाज उठाते रहने की बात कही।

आदेश : हाई कोर्ट में चुनाव आयोग ने दिया भरोसा आयोग के आश्वासन पर याचिका निस्तारित

विधान परिषद चुनाव में मतदान की हो रही निर्बाध वीडियोग्राफी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधान परिषद की लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन सीट पर मतदान के दौरान सभी मतदान केंद्रों के भीतर लगातार और निर्बाध वीडियोग्राफी कराई जा रही है। भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में यह भरोसा देने के बाद गुरुवार को कोर्ट ने याचिका निस्तारित कर दी।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने सोमवार को यह आदेश पारित किया। इस याचिका पर आयोग की ओर से अदालत को बताया कि निर्वाचन अधिकारियों की पुस्तिका के प्रावधानों के अनुपालन के लिए पहले ही व्यवस्था की जा चुकी है। मतदान की वीडियोग्राफी आयोग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कराई जाएगी। इस आश्वासन के बाद याची की ओर से कहा गया कि उसकी शिकायत का समाधान हो गया है।

याची की मुख्य मांग थी कि मतदान के दिन सभी मतदान केंद्रों के भीतर होने वाली चुनावी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाए और यह रिकॉर्डिंग लगातार तथा बिना किसी रुकावट के हो। इसके लिए जवाबदेह अधिकारी की निगरानी में व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

उत्तर प्रदेष विधान परिषद की शिक्षक-स्नातक कोटे की 11 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। विधान परिषद की 11 सीटों में पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की हैं। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा। कुल 14.81 लाख मतदाता 152 प्रत्याशियों के भाग्य का निर्णय करेंगे। चुनाव के लिए 2697 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ और इलाहाबाद-झांसी सीट शामिल हैं।

> मतदान केंद्रों पर रिकॉर्डिंग की व्यवस्था सुनिश्चित

निर्वाचन अधिकारियों की पुस्तिका के प्रावधानों का हवाला

याची ने भारत निर्वाचन आयोग की फरवरी 2016 में प्रकाशित राज्यसभा और राज्य विधान परिषद चुनावों के लिए रिटर्निंग अधिकारियों की पुस्तिका के पैरा 49 का हवाला दिया था। साथ ही, पुस्तिका के अध्याय नौ के पैरा 14 में वीडियोग्राफी के लिए निर्धारित प्रक्रिया का भी उल्लेख किया गया।

> लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी शैलेंद्र सिंह ने यह याचिका दाखिल की थी। याची ने नामांकन भी दाखिल किया है और नौ अक्टूबर 2026 को जारी प्रारूप सात-बी की प्रत्याशियों की सूची में उसका नाम क्रमांक 13 पर दर्ज है।

राजधानी में बीबीएयू के प्रोफेसर से 50.19 लाख की ठगी

एलआईसी पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर ऐंठे रुपए, 6 महीने तक ट्रांसफर कराई रकम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के रायबरेली रोड स्थित एल्डिको-2 निवासी बीबीएयू के प्रोफेसर दिनेश राज मोदी से एलआईसी की लैप्स पॉलिसी दोबारा चालू कराने के नाम पर 50.19 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने खुद को एलआईसी के दिल्ली स्थित हेड ऑफिस के अकाउंट विभाग का अधिकारी बताकर प्रोफेसर से संपर्क किया। इसके बाद पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करा ली।

पीड़ित के मुताबिक, अप्रैल 2026 में उनके मोबाइल पर विक्रम सिंह नाम के व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को LIC के दिल्ली स्थित हेड ऑफिस के अकाउंट विभाग में तैनात बताया और कहा कि उनकी पॉलिसी लैप्स हो गई है। उसे दोबारा चालू कराने के लिए उसने H. Lalduhsange और अनित पनवर नाम के कथित अधिकारियों से फोन और व्हाट्सएप पर संपर्क करने को कहा।

दिनेश राज मोदी ने बताया आरोपियों ने उन्हें विश्वास में लेकर अलग-अलग बैंक खातों की जानकारी दी। इनमें दिव्यांशु पटेल, संस्कार यादव और डीके एंटरप्राइजेज के नाम से जुड़े खाते शामिल थे। आरोपियों के कहने पर उन्होंने 16 अप्रैल 2026 को पहली बार दो लाख रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद आरोपी पॉलिसी दोबारा चालू कराने के नाम पर उनसे लगातार रकम जमा कराते रहे। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें अपनी बातों में उलझाकर और डराकर 16 अप्रैल से 16 अक्टूबर 2026 के बीच अलग-अलग बैंक खातों में कुल 50 लाख 19 हजार 800 रुपए ट्रांसफर करा लिए। मामले में इंस्पेक्टर साइबर थाना आलोक राव का कहना है 22 लाख रुपए फ्रीज किया गया है, जालसाजों की तलाश में पुलिस लगी है।

वृंदावन में भक्तों को जयकारे लगाते देख कार से उतरे ■ पैदल आश्रम तक गए

प्रेमानंदजी ने 5 महीने बाद पदयात्रा की

भावुक

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । प्रेमानंद महाराज ने 5 महीने के बाद वृंदावन में पदयात्रा की। शुक्रवार सुबह जब वे अपने नए आश्रम से 'केली कुंज' आश्रम जा रहे थे, तो रास्ते में वाराह घाट तिराहे पर उन्हें देखकर भक्त भावुक हो गए। यहां से संत प्रेमानंद अपनी गाड़ी से उतरे और पैदल चलकर ही आश्रम की ओर जाने लगे। इस दौरान रास्ते में दोनों तरफ मौजूद

■ 27 मई के बाद प्रेमानंद को सामने से देखकर श्रद्धालु खुशी से झूम उठे।

भक्त लगातार 'राधे-राधे' और 'श्री हरिवंश' के जयकारे लगा रहे थे।

केली कुंज आश्रम पहुंचकर उन्होंने पहले राधा रानी की आराधना की, फिर अपने गुरु हित गोविंद शरण महाराज के दर्शन किए। करीब आधे घंटे रुकने के बाद वह यमुना बिहार कुंज आश्रम लौट गए।

25 सितंबर को शिष्य रसिक दुलारी ने केली कुंज ट्रस्ट की इमारत की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। इसके बाद 8 अक्टूबर को प्रेमानंद महाराज पहली बार केली कुंज आश्रम पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने पदयात्रा नहीं की थी। 15 मिनट आश्रम में रुके थे।

इससे पहले प्रेमानंद महाराज ने 27 मई को पदयात्रा की थी।

स्वास्थ्य कारणों से मई में बंद की गई थी पदयात्रा

दरअसल, 17 मई से स्वास्थ्य कारणों के चलते संत प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा अनिश्चित-काल के लिए स्थगित कर दी गई थी। शिष्यों ने तब बताया था कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक नहीं है। वह भक्तों से एकांतिक मुलाकात भी नहीं कर रहे हैं। प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनी खराब हैं। उनकी हफ्ते में 2-3 बार डायलिसिस होती है।

उससे पहले नियमित रूप से श्रीराधा केली कुंज आश्रम से तड़के करीब 3 बजे निकलते थे और लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर सुनरख खादर

केली कुंज आश्रम से 15 किलोमीटर दूर है नया आश्रम

प्रेमानंद महाराज के ट्रस्ट श्री हित राधा केली कुंज ने यमुना विहार कुंज नाम से नया आश्रम बनवाया है। 18 मई के बाद से संत प्रेमानंद महाराज यमुना बिहार कुंज आश्रम में ही रह रहे हैं। यह मांट तहसील में जहांगीरपुर गांव के पास यमुना किनारे बना है। बेलवन स्थित लक्ष्मीजी के मंदिर से करीब एक किलोमीटर दूर है। आश्रम में 2 बड़े हॉल हैं, जहां महाराज जी सत्संग और राधारानी की सेवा करते हैं। यहां एक कंटेनर में डायलिसिस की मशीन लगाई गई है। डॉक्टर समय-समय पर प्रेमानंद महाराज की डायलिसिस करते हैं।

स्थित सौभरी वन पहुंचते थे।

संत प्रेमानंद महाराज ने भी वीडियो जारी कर भक्तों को भावुक अपील की थी। वीडियो में उन्होंने कहा था-

■ आश्रम में एक कंटेनर है। इसमें डायलिसिस की मशीन लगाई गई है।

बिल्कुल चिंता मत करो। हम मिलें न मिलें, बोलें न बोलें, हम आप सबको बहुत प्यार करते हैं। अंतिम बात यही कि चिंता नहीं करनी। न ये चिंता करनी है कि कैसे हमारा उत्थान होगा। बिना बोले तुम्हारे दिमाग में हम होंगे।

कासगंज में सिलेंडर फटने से आठवीं के छात्र की मौत

घर में अकेले चावल पका रहा था, धमाके से तीन कमरे ढहे

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज । कासगंज में सिलेंडर फटने से आठवीं के छात्र की मौत हो गई। छात्र घर में चावल बना रहा था। इसी दौरान सिलेंडर में अचानक आग लग गई और तेज धमाके के साथ वह फट गया। धमाके की आवाज करीब 500 मीटर दूर तक सुनाई दी।

हादसे में घर के दो कमरे ढह गए। एक कमरे की छत का लेंटर गिर गया। छात्र मलबे में दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। उसका एक पैर भी कटकर अलग हो गया था। हादसे के समय छात्र घर में अकेला था। उसके पिता गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे, जबकि मां और भाई-बहन खेत पर गए थे। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे सदर थाना क्षेत्र की है।

नगला भूरा गांव में शीलेंद्र यादव

(42) अपने परिवार के साथ रहते हैं। वह खेती करते हैं। परिवार में उनकी पत्नी कविता (35), तीन बेटियां उपासना (18), खुशबू (11) और भावना (6) हैं। उनके दो बेटे प्रियांशु (15) और विवेक (10) हैं। प्रियांशु गांव के तिलक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आठवीं कक्षा में पढ़ता था।

ग्राम प्रधान नरेश पाल ने बताया- दोपहर करीब 1 बजे वह घर में अकेला था। उसे भूख लगी तो उसने चावल पकाने के लिए गैस पर रख दिए। इसी दौरान सिलेंडर में तेज धमाका हो गया। धमाके से मकान के तीन कमरे ढह गए, जबकि एक कमरे की छत गिर गई।

फास्ट न्यूज

रेल मंत्रालय के अफसर के घर 40 लाख की चोरी

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र के रमईपुर स्थित बाजपुर मोड़ पर चोरों ने रेल मंत्रालय में तैनात अधिकारी के बंद मकान को निशाना बनाया। चोर ताला तोड़कर करीब 40 लाख रुपये के पुश्तैनी सोने-चांदी के जेवर पार कर ले गए। घर से 300 ग्राम सोना और एक किलो चांदी के 15 आइटम चोरी हुए हैं। लगातार बारिश और जलभराव के कारण अधिकारी की मां रिश्तेदारी में चली गई थीं।

अंजलि अरोड़ा ने शहर को बदनाम किया, माफी मांगे:आयोजक

कानपुर । 'इंफ्लुएंसर अंजलि अरोड़ा को पता होना चाहिए कि ये कानपुर है। यहां के लोग स्टार को भी पानी में डालकर खाते हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से शहर का नाम बदनाम करने की कोशिश की है। उन्हें लिखित में माफी मांगनी होगी, नहीं तो आगे भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

ये कहना है अंजलि अरोड़ा को कानपुर में डांडिया कार्यक्रम में बुलाने वाली देशी डिजिटल एजेंसी के ऑनर आशीष कुमार का। उन्होंने कहा कि अंजलि अरोड़ा के खिलाफ 1 करोड़ 20 लाख रुपए का लीगल नोटिस भेजा गया है।

दशहरा मेले में ग्रेविटी झूला टूटा

कानपुर । कानपुर के अरमापुर थाना क्षेत्र के अरमापुर मैदान में चल रहे दशहरा मेले में गुरुवार देर रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मेले में लोगों को झुला रहा ग्रेविटी झूला अचानक फाउंडेशन टूटने से एक तरफ झुक गया। उस समय झूले पर करीब 25 से अधिक लोग सवार थे। झूले के अचानक झुकते ही लोगों में चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर झूले में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकलवा लिया।

भाकियू नेताओं के धक्के में सिटी मजिस्ट्रेट जमीन पर गिरे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में SIR के विरोध में प्रदर्शन कर रहे भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) और संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों की पुलिस और प्रशासनिक अफसरों से धक्कामुक्की हो गई। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट जमीन पर गिर गए, जबकि भाकियू जिलाध्यक्ष के हाथ में चोट लग गई। शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे किसान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और SIR प्रक्रिया रद्द करने की मांग को लेकर DM को ज्ञापन देने जा रहे थे। MLC चुनाव की वोटिंग के चलते पुलिस ने उन्हें थाना नाई की मंडी में रोक लिया। इसके बाद किसान मोर्चा ने मार्च निकाला तो अफसरों से धक्का-मुक्की हो गई। किसान नेताओं के मुताबिक, प्रशासन की ओर से सुबह 11.30 बजे DM के आने का समय दिया गया था। दोपहर 12 बजे तक कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तो किसान

■ आगरा में ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगने के लिए निकले थे वोटिंग के चलते पुलिस ने रोका

कलेक्ट्रेट की ओर मार्च करने लगे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान सिटी मजिस्ट्रेट अमित कुमार ने किसानों से वहीं ज्ञापन देने को कहा, लेकिन किसान कलेक्ट्रेट जाने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान धक्कामुक्की हुई और सिटी मजिस्ट्रेट जमीन पर गिर गए। भाकियू जिलाध्यक्ष राजवीर लवानिया के हाथ में भी चोट आई। इसके बाद किसानों ने सुभाष पार्क के सामने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा।

खाटू श्याम मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे, टायर फटने के बाद तेज रफ्तार कार खाई में पलटी

4 दोस्तों की जयपुर में मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा/ जयपुर । आगरा के 4 दोस्तों की जयपुर में सड़क हादसे में मौत हो गई। 2 दोस्त घायल हैं। सभी खाटू-श्याम के दर्शन करके लौट रहे थे। शुक्रवार सुबह 6 बजे तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार (UP 83AU6399) टायर फटने से बेकाबू हो गई। सड़क किनारे 30 फीट गहरी खाई में गिर गई।

आसपास के लोगों ने पुलिस की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने 4 को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में आगरा के अतुल वार्ष्णेय (35), मुकुल जायसवाल (21), रूपेश जाटव (25) और शिवा सिंह (20) शामिल हैं। वहीं, राहुल शर्मा (36)

2025 में हादसे कम हुए, लेकिन मौतें ज्यादा हुई हैं। प्रदेश में 2024 के मुकाबले 2025 में 1,018 दुर्घटनाएं कम हुईं, लेकिन इसके बावजूद 307 अधिक लोगों की मौत हो गई। कुल दुर्घटनाओं में से करीब 63 फीसदी हादसे ओवर-स्पीडिंग के कारण हो रहे हैं।

और अर्पित बंसल (20) घायल हैं। उनका जयपुर के निम्स हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। हादसा रायसर में नेशनल हाईवे-148 (दौसा-मनोहरपुर) के पास हुआ।

अतुल के छोटे भाई रोहित वार्ष्णेय ने बताया- सुबह 7 बजे पुलिस से हादसे के बारे में सूचना मिली। अतुल भैया 21 अक्टूबर को आगरा से दोस्तों और स्टाफ के साथ खाटू श्याम गए थे। वहां पर उन्हें 22 अक्टूबर यानी एकादशी पर भजन-कीर्तन को यूट्यूब पर लाइव करना था। लाइव कवरेज के बाद वहां से निकले थे। कार अतुल के नाम पर ही थी। कार उनका दोस्त राहुल शर्मा चला रहा था।

अतुल की 2016 में सिम्मी वार्ष्णेय से शादी

■ पुलिस के अनुसार कार चकनाचूर हो गई है। अंदर से घायलों को निकालने में काफी परेशानी हुई।

करीब एक घंटे तक जाम जैसे हालात

पुलिस के मुताबिक, आगरा के रामबाग के रहने वाले अतुल, नुनिहाई के राहुल, बलकेश्वर के अर्पित और कालिंदी विहार के मुकुल, रूपेश व शिवा खाटू श्याम आए थे। वापस लौटते समय हादसा हो गया। हादसे के बाद मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। एक घंटे तक ट्रैफिक स्लो रहा। घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाने के बाद पुलिस ने ट्रैफिक क्लियर करवाया। क्रेन की मदद से कार हटवाई।

हुई थी। दोनों के 3 बेटियां हैं। रूद्रांशी (9), ख्याति (5) और तृषा (3 महीने)। अतुल के पिता वीरेंद्र घर के नीचे परचून की दुकान चलाते हैं। जबकि परिवार पहली मंजिल पर रहता है।

लड़की बोली- प्रेमी के बिना नहीं जी सकती, मुंबई से बॉयफ्रेंड ने फोन पर कहा- कबूल है

यूपी में मोबाइल टावर पर हुई शादी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच । बहराइच में शुक्रवार सुबह बॉयफ्रेंड से शादी करने के लिए लड़की मोबाइल टावर पर चढ़ गई। परिवार और गांववालों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन लड़की नीचे नहीं उतरी। बेटी की जिद के आगे घर वालों ने हार मान ली। मस्जिद से काजी को बुलाकर लड़के-लड़की का ऑनलाइन निकाह कराया गया।

लड़का मुंबई में नौकरी करता है। काजी ने उसे फोन करके निकाह कुबूल करवाया। इसके बाद टावर पर चढ़ी लड़की को फोन करके उसे निकाह कुबूल करवाया गया। लड़की को जब भरोसा हो गया कि उसका निकाह हो गया, तब वह नीचे उतरी।

थाना प्रभारी ब्रह्मानंद गौड़ ने बताया- प्रेम-प्रसंग का मामला है। प्रेमी से शादी करने की जिद पर लड़की टावर पर चढ़ी थी। निकाह होने के बाद उसे नीचे उतार लिया गया है। फिलहाल लड़की को उसके घर वालों के साथ भेज दिया गया है। अगर कोई शिकायत मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।

3 घंटे से ज्यादा ड्रामा चलता रहा। मामला जिला मुख्यालय से 60 किमी दूर मोतीपुर इलाके का है। शुक्रवार सुबह भी महक की अपनी मां से शादी को लेकर बहस हुई। इसके बाद वह घर से निकली और गांव के बाहर बने मोबाइल टावर पर चढ़ गई। गांव के लोगों ने देखा तो नीचे उतरने के लिए कहा। महक ने धमकी दी कि कोई पास आया तो कूदकर जान दे दूंगी। मुझे नूरुद्दीन से शादी करनी है। गांव वालों ने दोनों के परिजनों और पुलिस को सूचना दी। लड़की की मां इसके बाद भी शादी के लिए राजी नहीं थी। गांव वाले लड़की और उसकी मां दोनों को समझाने की कोशिश करते रहे। महिला पुलिसकर्मियों के साथ पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। महक को भरोसा दिया गया कि नीचे आ जाओ लड़के को बुलाकर शादी करा दी जाएगी, लेकिन वह उतरने को तैयार नहीं हुई।

5 महीने से चल रहा था अफेयर

बसथनवा गांव के अलग-अलग मोहल्ले में फखरुद्दीन उर्फ नूरुद्दीन (21) और साहिबा बेगम उर्फ महक (19) रहते हैं। दोनों के घरों के बीच की दूरी 1 किमी है। 5 महीने से दोनों का अफेयर चल रहा था, लेकिन घर वाले शादी के लिए तैयार नहीं थे। दो महीने पहले नूरुद्दीन नौकरी के लिए मुंबई चला गया था। नूरुद्दीन के परिवार में पिता फारुख, मां और दो भाई हैं। परिवार खेती-किसानी और मजदूरी करता है। वहीं, महक के पिता रईस अहमद की मौत हो चुकी है। उसकी मां हसमतु-न्निशा ही मजदूरी से बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं।

3 घंटे तक चलता रहा ड्रामा

गांव के लोगों और पुलिस के समझाने पर दोनों के निकाह कराने का फैसला लिया गया। गांव की मस्जिद से काजी को बुलाया गया। 3 घंटे के ड्रामे के बाद काजी ने टावर पर चढ़ी किशोरी को कॉल की और निकाह के बारे में समझाया। फोन पर ही लड़की से निकाह कुबूल करवाया गया।

इसके बाद मुंबई में रह रहे नूरुद्दीन को फोन करके मामले की जानकारी दी गई। उसने भी शादी के लिए रजामंदी दे दी। काजी ने उससे भी फोन पर निकाह कुबूल करवाया। लड़की को जब भरोसा हो गया कि उसका निकाह हो गया है तब वह नीचे आने के लिए तैयार हुई। महिला पुलिस कर्मियों की मदद से महक को नीचे उतारा गया।

11 हजार वोल्ट की लाइन से चिपका युवक, जिंदा जला

बड़े भाई को बचाने दौड़ा छोटा भाई भी झुलसा

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में करंट लगने के बाद एक युवक जिंदा जल गया। बचाने गए उसके छोटे भाई को भी करंट का जोरदार झटका लगा। इससे उसका हाथ जल गया। परिजनों ने किसी तरह आग बुझाई और आनन फानन में उनको मेडिकल कॉलेज ले गए।

जहां पर डॉक्टरों ने बड़े भाई दीपक परिहार (25) को मृत घोषित कर दिया। छोटे भाई आकाश परिहार (21) का इलाज चल रहा है। दोनों खेत में बिजली तार डाल रहे थे। इस दौरान तार 11केवी की हाइटेंशन लाइन में टच हो गया। दीपक की मौत के बाद मां समेत अन्य परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घटना शुक्रवार दोपहर की है। हादसा जिला मुख्यालय से लगभग 17 किलोमीटर दूर रक्सा थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में हुआ है। रक्सा के राजापुर गांव में

रहने वाले मुरारी परिहार गांव के चौकीदार हैं। उनके दो बेटे दीपक, आकाश और एक बेटी अंजू है। दीपक की शादी लगभग दो साल पहले कविता से हुई थी। उसकी 6 महीने की एक बेटी है। जबकि छोटे भाई आकाश की शादी जून 2026 में हुई थी। दोनों बेटे खेती किसानी में अपने पिता का हाथ बटाते थे। हादसे में घायल आकाश ने बताया- खेत में मूंगफली की फसल लगी थी। शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे मैं बड़े भाई दीपक के साथ खेत में तार डाल रहा था। तभी तार को ऊपर फेंका तो 11हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी एमएलसी की...

गोरखपुर में सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी के साथ धक्का-मुक्की की गई। आरोप है कि वह बूथ के बाहर मीडिया को बाइट दे रहे थे। झांसी में भाजपा सांसद अनुराग शर्मा वोटर लिस्ट से नाम कटने के कारण मतदान नहीं कर पाए।

सबसे ज्यादा 79.01% वोटिंग गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक सीट पर हुई। सबसे कम मतदान 39.81% मेरठ खंड स्नातक सीट पर हुआ। शिक्षक खंड की 6 और स्नातक खंड की 5 सीटों पर 152 प्रत्याशी मैदान में थे। कुल 14.28 लाख मतदाताओं के लिए 2,697 मतदान केंद्र बनाए गए थे।

बागपत के खेकड़ा ब्लॉक में शिक्षक MLC चुनाव के मतदान के आखिरी 10 मिनट में हंगामा हो गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सीओ रोहन चौरसिया पर अभद्रता करने और बूथ से बाहर निकालने का आरोप लगाया। सूचना पर भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा और विधायक योगेश धामा मौके पर पहुंचे।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख देवेंद्र गुर्जर ने बताया कि सीओ रोहन चौरसिया जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा को पहचान नहीं पाए थे, जिसको लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। देवेंद्र के मुताबिक, मौके पर पहुंचने पर सीओ ने अपनी गलती स्वीकार कर ली, जिसके बाद मामला शांत हो गया। उन्होंने कहा कि नीरज शर्मा के साथ धक्का-मुक्की की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग ब्लॉक पहुंच गए थे।

देवेंद्र गुर्जर ने दावा किया कि शिक्षक और स्नातक MLC चुनाव में भाजपा के दोनों उम्मीदवार जीतने जा रहे हैं।

हरदोई के कछौना में MLC चुनाव के दौरान सपा प्रत्याशी कांति सिंह और भाजपा प्रत्याशी अवनीश कुमार सिंह के समर्थक आमने-सामने आ गए। आरोप है कि भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह ने गाली-गलौज की, जिसके बाद प्रतीक गुप्ता अधिवक्ता रविकांत पटेल को मारने दौड़ा। मौके पर मौजूद पुलिस ने युवक को रोककर अधिवक्ता को बचाया। घटना का वीडियो वायरल है।

हंगामे की सूचना पर एडीएम और एएसपी पूर्वी मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। सपा समर्थक अधिवक्ता को थाने में रोके जाने की जानकारी भी सामने आई। औरैया की सदर विधानसभा के बूथ नंबर 223 पर भाजपा विधायक गुड़िया कठेरिया पर बूथ कैप्चरिंग कराने का आरोप लगा है। सपा ने दावा किया कि इसका विरोध करने पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई। सपा ने चुनाव आयोग से मामले की तत्काल जांच कराने, दोषियों पर कार्रवाई करने और मतदान केंद्र पर सुरक्षा के साथ निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने की मांग की।

बिहार की पटाखा...

घटना की सूचना मिलने के बाद सदर एसडीओ आशुतोष गुप्ता, महाराजगंज एसडीपीओ अमन और बड़हरिया, जामो, गोरेयाकोठी समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची है। अधिकारी घटनास्थल की जायजा ले रहे हैं।

एसडीपीओ ने बताया कि दमकल की गाड़ियां की मदद से आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। आग पर काबू पाने के बाद मामले की जांच की जाएगी।

एसपी भारत सोनी ने बताया कि अब तक शवों की पहचान नहीं हो सकी है। जिस मकान में पटाखे बनाए जा रहे थे, वह घनी आबादी वाले इलाके में है।

आम लोगों के जीवन...

शुक्रवार को लोकभवन में दो दिवसीय क्षेत्रीय साधना श्रृंखला-2026 की शुरुआत के मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक कार्यसंस्कृति में सुधार और सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक बनाने पर जोर दिया। इस कार्यशाला में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह सहित आठ राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुख और विशेषज्ञ शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से ही प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया गया है, जिसमें नागरिकों का विश्वास बढ़े।

साथ ही सरकारी सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनें। उत्तर प्रदेश ने इन सुधारों को अपनाने और क्षमता विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मिशन कर्मयोगी के तहत प्रदेश का प्रथम स्थान प्राप्त करना और आई-गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर सर्वाधिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे करना महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। लखनऊ में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि यूपी में कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान प्रशासन से मिलने वाला सहयोग और मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत रुचि कार्यों को सुचारु रूप से पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 में केंद्र सरकार बनने के बाद राजपत्रित अधिकारियों से दस्तावेजों के सत्यापन की अनिवार्यता समाप्त करने और सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने जैसे कदम उठाए गए। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद भर्ती में साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करने की दिशा में पहल की गई, ताकि चयन प्रक्रिया में भेदभाव की आशंकाओं को कम किया जा सके।

आई-गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर देशभर में लगभग 1.70 करोड़ कार्मिकों के पंजीकरण के बीच उत्तर प्रदेश के 19 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं का पंजीकृत होना प्रदेश की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रदेश में योग और आर्टिफि-शियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर बड़ी संख्या में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए गए हैं। उन्नति पोर्टल पर यूपी के 350 से अधिक प्रशिक्षण संस्थानों और प्रशिक्षण इकाइयों का पंजीकरण किया गया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सुशासन और प्रशासनिक क्षमता विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय रोल मॉडल के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने प्रदेश सरकार, अधिकारियों और प्रशिक्षण संस्थानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का अनुभव दूसरे राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक साबित हो सकता है।

शिक्षक एमएलसी ...

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सहूलियत के लिए छाया और पेयजल की व्यवस्था की गई थी। जरूरतमंद मतदाताओं की आवाजाही आसान बनाने के लिए व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा मोबाइल फोन रखने के लिए मोबाइल फोल्डर बैग की व्यवस्था भी की गई थी।

मतदान केंद्रों पर उपलब्ध इन सुविधाओं का उद्देश्य मतदाताओं को आवश्यक सहूलियत देना था। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं की स्थिति देखी, जिससे मतदान के दौरान किसी तरह की अनावश्यक परेशानी न हो।

गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी और सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी के बीच मुख्य मुकाबला रहा। अंबेडकरनगर में मतदान संपन्न होने के बाद अब चुनाव परिणाम को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

जिले में दर्ज 80.46 प्रतिशत मतदान इस चुनाव की प्रमुख जानकारी रही।

जिला प्रशासन के अनुसार, जिले के नौ मतदान केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की और मतदाताओं की सुविधा के लिए किए गए इंतजामों का जायजा लिया।

दिल्ली में एसआईआर...

'पीपल अगेंस्ट SIR' विरोध प्रदर्शन के दौरान CPI नेता एनी राजा ने कहा, हम लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए केंद्र के धोखाधड़ी भरे तरीकों से देश की रक्षा करने आए हैं।

पीपल अगेंस्ट SIR का गठन पिछले हफ्ते ही हुआ है। SIR के विरोध को एकजुट करने के लिए यह मंच बनाया गया है। इसमें नागरिकों, किसान यूनियनों, मजदूर संगठनों और महिला व युवा संगठनों को शामिल किया गया है।

शूटर मोना को दूसरा स्वर्ण, हनी ने जेवलिन थ्रो में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, शूटर मोना अग्रवाल ने दूसरा स्वर्ण पदक जीता

भारत को पैरा एशियन गेम्स में दिन का छठा गोल्ड

इंडिया को आज 6 गोल्ड, 8 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज सहित 16 मेडल मिल चुके हैं। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर आ गया है। उसके पास कुल 103 मेडल हैं।

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने पैरा एशियन गेम्स के 5वें दिन शुक्रवार को 6 गोल्ड मेडल जीत लिए हैं। इससे उसके 27 गोल्ड मेडल हो गए हैं।

सुबह पहला गोल्ड हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने रिकर्व आर्चरी में दिलाया। फिर नीतेश कुमार और नवीन शिवकुमार ने बैडमिंटन में एक-एक स्वर्ण जीते।

एथलेटिक्स में हनी जेवलिन थ्रो और संदीप 100 मीटर दौड़ में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ एशियन चैंपियन बने। शूटर मोना अग्रवाल ने दूसरा स्वर्ण पदक जीता। रिकर्व आर्चरी की

रिकर्व मेंस डबल्स कैटेगरी में हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने फाइनल में चीन को 5-1 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने दूसरा और तीसरा सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया। पहला गेम दोनों टीमों के बीच 35-35 से बराबर रहा। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम 37-36 से जीता। भारतीय जोड़ी ने तीसरा गेम 38-36 से जीता। उसने गेम के आधार पर मुकाबला 5-1 से अपने नाम कर लिया। वहीं, महिला पैरा रिकर्व डबल्स में भारत को सिल्वर मेडल मिला। भावना चौधरी और पूजा जाटयान को फाइनल में चीन की गाओ जिहान और वांग शुएचियान ने 6-0 से हराया। हनी (टॉप्स) ने पैरा एथलेटिक्स की पुरुष भाला फेंक F37/38 स्पर्धा में 60.49 मीटर का थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने T37 कैटेगरी में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। हनी को 1,116 पॉइंट मिले।

पैरा एथलेटिक्स में भारत ने 100वां मेडल जीत लिया है। संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर T64 स्पर्धा में 52.28 सेकेंड का समय लेकर गोल्ड मेडल जीता। अजय कुमार ने 53.61 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता।

बैडमिंटन : नवीन शिवकुमार ने गोल्ड मेडल जीता

नवीन शिवकुमार ने पैरा बैडमिंटन के पुरुष सिंगल्स SL4 फाइनल में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने इंडोनेशिया के फ्रेडी सेटियावान को सीधे गेम में 21-9, 21-17 से हराया।

SL4 कैटेगरी के खिलाड़ियों के पैरे के निचले अंगों (पैरों) में मामूली या मध्यम स्तर की विकलांगता होती है। यह कैटेगरी उन एथलीटों के लिए होती है, जो खड़े होकर खेलते हैं।

गोल्ड मेडल मैच के बाद प्रमोद भगत और नीतेश कुमार।

बैडमिंटन : नीतेश कुमार ने प्रमोद को हराकर जीता पुरुष एसएल3 गोल्ड

नीतेश कुमार ने बैडमिंटन की मेंस सिंगल्स SL3 कैटेगरी के फाइनल में अपने ही देश के हमवतन प्रमोद भगत को सीधे गेमों में 21-18, 21-16 से हराया। नीतेश के पास अब थुलासिमथि के साथ मिक्स्ड डबल्स SL3-SU5 में भी गोल्ड जीतने का मौका है। वहीं, महिला SU5 में थुलासिमथि मुरुगेसन को सिल्वर मिला। उन्हें चीन की यांग क्यूशिया ने हराया।

झारखंड के शिखर मोहन इंडिया-ए टीम में शामिल

न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे-तीसरे चार दिवसीय मैच में खेलेंगे

नई दिल्ली। झारखंड के 21 साल के बाएं हाथ के ओपनर शिखर मोहन को इंडिया A टीम में शामिल किया गया है। वे न्यूजीलैंड A के खिलाफ चार दिवसीय सीरीज के दूसरे और तीसरे मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मोहन ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी में लगातार दो मैचों में शतक लगाए हैं। इसी प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुना गया है।

न्यूजीलैंड A और इंडिया A के बीच सीरीज का पहला मैच शनिवार से लिंकन में शुरू होगा। इसके बाद दूसरा मैच 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक क्राइस्टचर्च और तीसरा 7 से 10 नवंबर तक फिर लिंकन में खेला जाएगा। ये तीनों मैच भारत की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी का हिस्सा हैं। भारत को पांच टी-20 और पांच वनडे के बाद न्यूजीलैंड में दो टेस्ट खेलने हैं।

इंडिया A टीम में केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप शामिल हैं।

केरल के खिलाफ पहले रणजी मैच में मोहन ने 196 गेंदों पर 143 रन बनाए। उनकी पारी में 18 चौके और दो छक्के शामिल थे। झारखंड ने इस मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। महाराष्ट्र के खिलाफ दूसरे मैच में झारखंड पहली पारी में 358 रन से पिछड़ गया था। टीम पर बड़ी हार का खतरा था। मोहन ने दूसरी पारी में दबाव के बीच 127 रन बनाए। उनकी पारी से झारखंड हार से बच गया और टीम को एक अंक मिला।

आयुष म्हात्रे ने जांघ के पिछले हिस्से की सर्जरी कराई

2-3 महीने क्रिकेट से दूर रहेंगे, रणजी मैच में चोट लगी थी

नई दिल्ली, एजेंसी

अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने दाईं जांघ के पिछले हिस्से (हैमस्ट्रिंग) की सर्जरी कराई है। वे करीब 2-3 महीने क्रिकेट से दूर रहेंगे। 19 साल के आयुष 11 अक्टूबर को रणजी ट्रॉफी में चंडीगढ़ के खिलाफ रन लेने के दौरान चोटिल हो गए। वे मुंबई की रणजी टीम के उपकप्तान भी हैं।

मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में गुरुवार को उनकी सर्जरी हुई। BCCI के एक सूत्र के मुताबिक, सर्जरी डॉ. दिनशॉ पार्डीवाला ने की। सूत्र ने बताया कि सर्जरी सफल रही है। म्हात्रे अच्छी तरह रिकवर कर रहे हैं और शुक्रवार सुबह बैसाखी के सहारे धीरे-धीरे

चलना भी शुरू कर दिया। यह म्हात्रे का IPL के दौरान बाईं हैमस्ट्रिंग में लगी चोट के बाद पहला मैच था। उन्हें 18 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए चोट लगी थी। बाईं हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद म्हात्रे ने बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तीन महीने बिताए थे। वहां उनका इलाज और रिहैबिलिटेशन हुआ। म्हात्रे की चोट के कारण मुंबई को इस रणजी ट्रॉफी सीजन में दो मैचों में दूसरी ओपनिंग जोड़ी उतारनी पड़ी।

चंडीगढ़ के खिलाफ म्हात्रे ने यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की थी।

भारतीय ओपनर के राष्ट्रीय टीम की ड्यूटी पर जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के खिलाफ अंगकृष रघुवंशी और दिव्यांश सक्सेना ने पारी की शुरुआत की। म्हात्रे की जगह सूर्यांश शेडगे को टीम से जोड़ा किया है।

श्रीलंका का वनडे में दूसरा सबसे बड़ा रनचेज

रावलपिंडी । श्रीलंका ने वनडे ट्राई सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ 429 रन चेज कर दिए। यह वनडे क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज है। ट्राई सीरीज में तीसरी टीम मेजबान पाकिस्तान है।

रावलपिंडी में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट पर 429 रन बनाए। कप्तान हैरी ब्रूक ने 116 गेंद पर 202 रन बनाए। उन्होंने वनडे का सबसे तेज दोहरा शतक लगाया।

जवाब में श्रीलंका ने 49.5 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। पवन रत्नायके ने 106 गेंद पर 130 रन बनाए। दासुन शनाका और असिथा फर्नांडो ने भी 97-97 रन की पारी खेली। वहीं जनिथ लियानागे 27 गेंद पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। इंग्लैंड के ओपनर्स टॉम बैंटन और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। बैंटन ने 51 गेंदों पर 50 रन बनाए, जिसमें 9 चौके शामिल थे। डकेट 39 गेंदों पर 29 रन बनाकर आउट हुए।

पहले मैच में लगी चोट, सूर्यवंशी को मौका मिल सकता है

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले दूसरे T20I में नहीं खेलेंगे। भारतीय बल्लेबाज की दाईं जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है। BCCI ने शुक्रवार को X पर पोस्ट करके यह जानकारी दी।

इसके कुछ देर बाद बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि ईशान के चोटिल होने से वैभव सूर्यवंशी प्लेइंग-11 में मौका मिल सकता है।

ईशान किशन ICC रैंकिंग में टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। वे इस साल भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। ईशान ने एक जनवरी 2026 से 35 टी20 मैचों में 1159 रन बनाए हैं। हालांकि, वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में एक रन ही बना सके थे। ईशान के चोटिल होने से प्लेइंग-11 में एक जगह खाली हुई है। कोटक ने कहा- उनकी जगह वैभव को मौका दिया जा सकता है।

मौजूदा टीम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ऐसे खिलाड़ी हैं, जो टॉप-3 में खेलते हैं। इस कारण ईशान की जगह वैभव का दावा सबसे मजबूत है।

वैभव 6 मैचों से अपनी मौके का इंतजार कर रहे हैं। वे भारत के लिए आखिरी बार एशियाड के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेले थे। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों में मौका नहीं मिला था।

बोर्ड ने कहा- मेडिकल टीम चोट की निगरानी कर रही

BCCI ने बयान में कहा, 'ईशान किशन को पहले T20I के दौरान दाईं तरफ की एडडक्टर मांसपेशियों में हल्की चोट लगी थी। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है।'

हालांकि, BCCI ने यह नहीं बताया कि ईशान को ठीक होने में कितना समय लगेगा। एडडक्टर मांसपेशियां जांघ के अंदरूनी हिस्से में होती हैं।

मनोरंजन

अरबाज से तलाक के बाद अर्जुन कपूर से जुड़ा नाम अब नए रिश्तों की चर्चा, बेटे अरहान से पूछा- तुमने वर्जिनिटी कब खोई थी

मलाइका मना रही 53वां जन्मदिन

नई दिल्ली। मलाइका अरोड़ा आज 53वां जन्मदिन मना रही हैं। ग्लैमरस अंदाज, फिटनेस और बेबाक व्यक्तित्व के लिए मशहूर मलाइका की निजी जिंदगी भी सुर्खियों में रही है। अरबाज खान से करीब 19 साल की शादी, तलाक के बाद अर्जुन कपूर के साथ लंबा रिश्ता और ब्रेकअप के बाद नए लोगों से नाम जुड़ने तक, उनकी लव लाइफ चर्चा में रही है। डीनो मोरिया का नाम उनसे जोड़ने की चर्चाएं हुईं, तो डायमंड कारोबारी हर्ष मेहता और अभिनेता-मॉडल सोराब बेदी के साथ तस्वीरों ने डेटिंग की अटकलें बढ़ाईं।

अप्रैल 2024 में बेटे अरहान खान के पॉडकास्ट में मलाइका का सवाल भी वायरल हुआ था। उन्होंने पूछा था, 'तुमने अपनी वर्जिनिटी कब खोई थी?' अरहान का रिएक्शन और फिर मां से उनकी शादी के बारे में पूछना सुर्खियों में रहा। अर्जुन से अलग होने के बाद मलाइका के साथ किसी पुरुष की तस्वीर सामने आने पर नए रिश्ते की अटकलें लगने लगीं। जनवरी 2026 में 'इंडिया टुडे' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने माना कि उनके रिश्तों को लेकर लगातार सुर्खियां बनती हैं।

उन्होंने कहा कि पुराने या शादीशुदा दोस्त अथवा मैनेजर के साथ बाहर निकलने पर भी उन्हें उस व्यक्ति से जोड़ दिया जाता है। उन्होंने इस दखलअंदाजी को 'बॉर्डरलाइन वॉयूरिज्म' यानी निजी जिंदगी में हद से ज्यादा झांकने जैसा बताया।

छैंया-छैंया से मिली पहचान, निजी जिंदगी भी रही सुर्खियों में

मलाइका अरोड़ा ने मॉडलिंग और टेलीविजन से करियर की शुरुआत की थी। 1998 में आई फिल्म 'दिल से' के गाने 'छैंया-छैंया' में डांस से उन्हें देशभर में पहचान मिली। इसके बाद 'मुन्नी बदनाम हुई' जैसे गानों ने लोकप्रियता बढ़ाई। उन्होंने रियलिटी शोज में जज के तौर पर भी पहचान बनाई और फिटनेस, फैशन तथा लाइफस्टाइल को लेकर चर्चा में रहीं। मलाइका की पेशेवर उपलब्धियों के साथ निजी रिश्ते भी चर्चा का विषय रहे हैं। अरबाज खान से शादी के बाद कई साल तक वह चर्चित सेलिब्रिटी कपल का हिस्सा रहीं। तलाक के बाद अर्जुन कपूर के साथ रिश्ता सार्वजनिक हुआ, तो उम्र के अंतर और शादी की संभावनाओं पर सवाल उठे।

अर्जुन कपूर से अलग होने के बाद मलाइका अरोड़ा का नाम डायमंड कारोबारी हर्ष मेहता से जुड़ा।

मलाइका और अरबाज की शादी 12 दिसंबर 1998 को हुई थी।

अरबाज खान से पहली मुलाकात, प्यार और 1998 में शादी

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान की मुलाकात ऐड की शूटिंग के दौरान हुई थी। दोनों करीब आए और दिसंबर 1998 में शादी कर ली। उस समय मलाइका मॉडलिंग में पहचान बना रही थीं, जबकि अरबाज अभिनेता और फिल्म निर्माता के तौर पर काम कर रहे थे। शादी के बाद दोनों अक्सर फिल्मी पार्टियों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में साथ नजर आते थे। उनके बेटे अरहान खान का जन्म हुआ। दोनों ने परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाते हुए कई साल साथ बिताए।

सनी देओल की फिल्म 'सूर्या' विवादों में आई सरकार को लिखा पत्र

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने डॉक्टरों पर हिंसा दिखाने पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली। सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'सूर्याः अंत से आरंभ तक' विवादों में आ गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) ने फिल्म के कंटेंट पर आपत्ति जताई है। IMA ने फिल्म में मेडिकल सेक्टर में भ्रष्टाचार को आम बताने और डॉक्टरों पर हिंसा दिखाने पर चिंता जताई है। फिल्म 20 नवंबर को रिलीज होने वाली है। IMA ने कहा कि फिल्म का प्रमोशनल कंटेंट पूरे हेल्थकेयर सेक्टर में भ्रष्टाचार और अनैतिक कामों की गलत इमेज बना सकता है। IMA ने पत्र में कहा, "हम फिल्म 'सूर्याः अंत से आरंभ तक' में मेडिकल प्रोफेशन को दिखाने को लेकर गंभीर चिंता जताते हैं। इसके प्रमोशनल कंटेंट में हेल्थकेयर सेक्टर में भ्रष्टाचार को आम बताने, मेडिकल प्रोफेशनल्स पर हिंसा दिखाने और लोगों के भरोसे व कर्मचारियों की सुरक्षा पर संभावित असर को लेकर चिंता है।" एसोसिएशन ने आगे कहा, "डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अस्पताल के कर्मचारियों पर शारीरिक हमले दिखाने वाले दृश्य हिंसा को सामान्य बना सकते हैं। ऐसे हमले अगर वीरतापूर्ण या सही ठहराए गए काम की तरह दिखें,

तो मेडिकल प्रोफेशनल्स के खिलाफ दुश्मनी बढ़ सकती है।" IMA ने साफ किया कि वह भ्रष्टाचार, अनैतिक मेडिकल प्रैक्टिस या प्रोफेशनल गलती का समर्थन नहीं करता। उसके मुताबिक, किसी भी गलत काम पर कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। IMA ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय से फिल्म के कंटेंट और मेडिकल प्रोफेशन के चित्रण की निष्पक्ष समीक्षा करने को कहा। एसोसिएशन ने फिल्म बनाने वालों से कथित गलत कामों को आम बताने और हेल्थकेयर कर्मचारियों पर हिंसा दिखाने वाले हिस्सों में उचित सुधार की मांग की।

एक्ट्रेस स्मिता जयकर ने बताया फिल्म हम दिल दे चुके सनम की शूटिंग का किस्सा

'ऐश्वर्या को छूने पर सलमान खान पर भड़के थे भंसाली'

नई दिल्ली। एक्ट्रेस स्मिता जयकर ने हाल ही में बताया कि फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने सलमान खान को डांटा था।

स्मिता ने कहा कि गाने 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग में सलमान ने ऐश्वर्या राय बच्चन की बांह छू ली थी। यह सीन का हिस्सा नहीं था। यह बात एक्ट्रेस ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में कही। स्मिता जयकर ने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या की ऑनस्क्रीन मां का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा कि सलमान और ऐश्वर्या की नजदीकियां फिल्म की शूटिंग के दौरान बढ़ीं।

स्मिता ने उस दौर को याद करते हुए कहा, "उस समय उनका प्यार

बढ़ रहा था। दोनों प्यार में थे और एंजेल जैसे दिखते थे। उस समय ऐश्वर्या बहुत खूबसूरत लगती थीं। यह फिल्म के लिए भी काम कर गया। वह जादू पर्दे पर नजर आया।" उन्होंने कहा कि उन्हें प्यार में पड़े लोगों को देखकर अच्छा लगता था। हालांकि, उनकी देरी से सेट पर इंतजार कर रहे क्रू की परेशानी बढ़ जाती थी। स्मिता ने 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग का एक किस्सा भी बताया। यह 'हम दिल दे चुके सनम' के रोमांटिक गानों में शामिल था।

स्मिता ने बताया, "सलमान को मेज के चारों ओर घूमकर आना था और ऐश्वर्या वहां खड़ी थीं। उन्होंने उनकी बांह छू ली, जबकि उन्हें ऐसा नहीं करना था। संजय ने पूछा, 'सलमान, तुमने उसे क्यों छुआ?'" उन्होंने आगे कहा, "सलमान का बस उन्हें छूने का मन हुआ। वह प्यार में थे, इसलिए उन्होंने उन्हें छू लिया। लेकिन सीन ऐसे नहीं किया जाना था। संजय ने उन पर चिल्लाकर पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। सीन में सलमान को सिर्फ वहां खड़े होकर ऐश्वर्या को देखना था।"

स्मिता ने बताया, "बाकी क्रू शिकायत करता था कि ये लोग बहुत देर से आते हैं। हमारी सुबह 7 बजे की शिफ्ट है और हम 10 बजे तक इंतजार कर रहे हैं। वे अब तक नहीं आए हैं, लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि जब आप प्यार में होते हैं, तो क्या कह सकते हैं?" उन्होंने आगे कहा, "वे (सलमान और ऐश्वर्या) दोनों सुबह 11 बजे साथ आते थे। उन्हें अपने आसपास की किसी चीज और इस बात का अहसास नहीं होता था कि पूरा सेट उनका इंतजार कर रहा है, लेकिन प्यार में ऐसा ही होता है।"

नेतन्याहू हारे या जीतें, पक्ष-विपक्ष कोई अलग देश बनाने को तैयार नहीं, वामपंथी पार्टियों ने भी एजेंडा बदला

फिलिस्तीनियों की मुश्किलें रहेंगी बरकरार

चुनाव

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में 27 अक्टूबर को चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता बचेगी या जाएगी, इसका फैसला जनता करेगी, लेकिन इस चुनाव से फिलिस्तीनियों की जिंदगी में कोई बड़ा बदलाव आएगा, इसकी उम्मीद कम है।

वजह यह है कि नेतन्याहू के विरोध में खड़ी ज्यादातर पार्टियां भी फिलिस्तीन को अलग देश बनाने के पक्ष में नहीं हैं। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल की संसद में फिलिस्तीनियों के खिलाफ कई प्रस्तावों को समर्थन मिला।

यहां तक कि जो वामपंथी पार्टियां पहले फिलिस्तीन के साथ समझौते और दो अलग देशों के रास्ते की बात करती थीं, उनके एजेंडे में भी

बदलाव दिख रहा है। ऐसे में सत्ता बदलने के बावजूद फिलिस्तीनियों के लिए हालात बदलना मुश्किल नजर आता है।

दुनिया के ज्यादातर देशों में वामपंथी पार्टियां गरीबों और कमजोर वर्गों की मदद करने, सरकारी खर्च बढ़ाने और प्रवासियों के अधिकारों की बात करती हैं। दक्षिणपंथी पार्टियां देश की सीमाएं सख्त रखने, व्यापार में सरकारी हस्तक्षेप कम रखने और राष्ट्रीय पहचान पर जोर देती हैं। इजराइल में वामपंथ और दक्षिणपंथ का फर्क मुख्य रूप से फिलिस्तीन को लेकर उनके रुख से तय होता रहा है। वामपंथी पार्टियां फिलिस्तीनियों के साथ बातचीत करके विवाद सुलझाने और जमीन को लेकर समझौता करने की बात करती रही हैं। वहीं, दक्षिणपंथी पार्टियां फिलिस्तीन को अलग देश बनाने का विरोध करती हैं और कब्जे वाले इलाकों में यहूदी बस्तियां बसाने का समर्थन करती हैं। हालांकि अब यह बीते दिनों की बात हो गई है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास हमले के बाद इजराइल की राजनीति दक्षिणपंथ की तरफ मुड़ गई है। फिलहाल ये स्थिति है कि वामपंथी पार्टियां इस मुद्दे को छू ही नहीं रही हैं।

इजराइल में विपक्ष का मतलब यह नहीं है कि सभी पार्टियां वामपंथी हैं। पिछली संसद में यायर लापिड के नेतृत्व वाली येश अतिद सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी थी। उसके पास 24 सीटें थीं। बेनी गैंट्ज की ब्लू एंड व्हाइट पार्टी दूसरी प्रमुख विपक्षी पार्टी थी।

नेतन्याहू का मौजूदा गठबंधन

नवंबर 2022 के चुनाव के बाद नेतन्याहू की दक्षिणपंथी पार्टी लिकुड 32 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इसके बाद उसने 64 सीटों का गठबंधन बनाया।

इस गठबंधन में दो कट्टर दक्षिणपंथी पार्टियां, शास और यूनाइटेड तोराह जूडिज्म शामिल थीं। इसके अलावा कट्टर दक्षिणपंथी धार्मिक जायनिज्म गठबंधन भी सरकार का हिस्सा था। इसमें धार्मिक जायनिज्म और ओत्जमा येहुदित पार्टियां शामिल थीं।

यह इजराइल के इतिहास की सबसे कट्टर दक्षिणपंथी सरकार मानी गई।

बेजालेल स्मोट्रिच धार्मिक जायनिज्म पार्टी के प्रमुख हैं। वे वित्त मंत्री हैं और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में नागरिक मामलों पर भी उनका अधिकार है। इनमें यहूदी बस्तियों की योजना बनाने से जुड़े मामले शामिल हैं।

इतमर बेन ग्विर ओत्जमा येहुदित पार्टी के प्रमुख हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री रहे हैं और पुलिस उनके मंत्रालय के अधीन आती है। स्मोट्रिच और बेन ग्विर दोनों ने कब्जे वाले इलाकों को इजराइल में मिलाने और वहां यहूदी बस्तियों का विस्तार करने की मांग की है। दोनों नेता कई बार सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी देकर अपनी नीतियां लागू कराने की कोशिश कर चुके हैं।

इजराइल की संसद को नेसेट कहा जाता है। इसमें कुल 120 सीटें हैं। आज तक कोई भी पार्टी अपने दम पर इतनी सीटें नहीं जीत पाई कि वह अकेले सरकार बना सके।

सरकार बनाने के लिए प्रधानमंत्री को कम से कम 61 सांसदों का समर्थन चाहिए। इसके लिए सबसे बड़ी पार्टी को छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन करना पड़ता है।

खदान में ब्लास्ट होने से दो लोगों की मौत, पांच घायल

अंकारा, एजेंसी

उत्तरी तुर्किए में शुक्रवार को खदान में हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है और पांच घायल हैं। अंदर फंसे एक मजदूर तक पहुंचने की कोशिश में बचावकर्मी जुटे हैं। मेडिकल टीमें और बचावकर्मी मोर्चे पर डटे हैं। अधिकारी ने बताया कि तुर्किए में खदान में विस्फोट होने की वजह से वहां काम कर रहे दो मजदूरों की मौत हो गई। इस हादसे में वहां काम कर रहे पांच अन्य मजदूर घायल हो गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हादसे की वजह से एक मजदूर अंदर ही फंस गया है। बचावकर्मी उस मजदूर तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। खदान में विस्फोट के बाद ऑक्सीजन की सप्लाई जारी रखना सबसे बड़ी चुनौती रहती है। इसलिए राहत बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। विस्फोट के कारण का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

- खदान विस्फोट में दो मजदूरों की दुखद मौत हुई।
- पांच मजदूर घायल, जिनमें दो की हालत गंभीर।
- बचावकर्मी एक फंसे मजदूर को निकालने में जुटे।

ब्लैक सी के तटीय प्रांत जोंगुलदाक के किलिमली शहर में ये हादसा हुआ है। घटनास्थल पर मेडिकल टीमें और बचावकर्मी जुटे हुए हैं।

जोंगुलदाक के गवर्नर उस्मान हासिबेक्तासोग्लू ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि घायल मजदूरों में से दो की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि एक अन्य घायल को इलाज के लिए राजधानी अंकारा के अस्पताल ले जाया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

ऑस्ट्रेलिया: लाइव कवरेज के दौरान रिपोर्टर बना देवदूत

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में भारी बारिश के दौरान एक कार पानी में डूबने लगी, जिसे देख मौके पर मौजूद एक न्यूज रिपोर्टर और एक राहगीर ने अपनी जान जोखिम में डालकर बाढ़ के पानी में डूब रही कार से ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। 'पीपल' की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना गुरुवार, 22 अक्टूबर को ब्रिस्बेन के उत्तर में मोरेफील्ड के बुकानन रोड पर हुई।

पेरिस में अंधाधुंध फायरिंग में एक की मौत और कई घायल

पेरिस। पेरिस के उपनगर में गोलीबारी हुई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने घटना की सूचना दी।

फ्रांसीसी ब्रॉडकास्टर ने सूत्रों के हवाले से बताया कि शुक्रवार को पेरिस के पास एक उपनगर की सड़क पर हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हुए हैं। गोलीबारी के आरोपी को यवेलिन्स विभाग के कॉइनिएरेस इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक हमले के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप, 16 मौतें, 65 घायल

अब तक 400 से ज्यादा आफ्टरशॉक आए

ल्हासा, एजेंसी

तिब्बत में गुरुवार रात 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 65 लोग घायल हुए हैं। भूकंप के बाद 12 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। राहत और बचाव का काम जारी है।

चीनी सरकारी मीडिया के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तक भूकंप के बाद 400 से ज्यादा झटके दर्ज किए गए। भूकंप का केंद्र तिब्बत के नागक्यू शहर के बाछेन काउंटी में था। यह जमीन से 10 किलोमीटर से भी कम गहराई पर आया। यह जगह तिब्बत की राजधानी ल्हासा से करीब 400 किलोमीटर दूर है।

शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, भूकंप से 330 से ज्यादा घर ढह गए या उन्हें नुकसान पहुंचा है। वहीं, पाकिस्तान में 4.9 और अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता के भूकंप के

झटके महसूस किए गए हैं।

तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनकी हलचल से हिमालय पर्वत बना है, लेकिन इसी वजह से इलाके में भूकंप भी आते रहते हैं।

जनवरी 2025 में तिब्बत के तिंगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें तिब्बत में करीब 400 लोगों की मौत हुई थी, जबकि पड़ोसी नेपाल में 13 लोगों की जान गई थी।

दुनिया की 17% आबादी भारत में, फिर भी कार्बन उत्सर्जन में हिस्सा 3% से कम

जलवायु संकट के लिए यूरोप बड़ा जिम्मेदार : पीयूष गोयल

बर्लिन, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को जलवायु संकट के लिए यूरोप को बड़ा जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया की 17% आबादी है लेकिन कार्बन उत्सर्ज में योगदान 3% से भी कम है। गोयल ने जर्मनी में बर्लिन ग्लोबल डायलॉग कार्यक्रम में कहा कि भारत की तुलना में यूरोप का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन 7 से 8 गुना ज्यादा है।

गोयल ने कहा,इस पूरी गड़बड़ी के लिए सबसे पहले कौन जिम्मेदार है? ओजोन परत को नुकसान कहां से पहुंचा? किसने वातावरण में इतना सारा कार्बन छोड़ा?

मंत्री ने कहा कि भारत को

जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अपनी जिम्मेदारियां निभाने के साथ 1.4 अरब लोगों की जरूरतें भी पूरी करनी हैं। ऊर्जा क्षेत्र पर नजर रखने वाली संस्था एंबर के मुताबिक, 2024 में भारत हवा और सौर ऊर्जा से बिजली बनाने के मामले में जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया था। वहीं, 2025 में भारत में नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई।

भारत हवा-सौर ऊर्जा से बिजली बनाने में तीसरे नंबर पर

गोयल ने कहा कि भारत संसाधनों की बर्बादी रोकने और चीजों को दोबारा इस्तेमाल करने पर जोर दे रहा है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश का स्वच्छ ऊर्जा कार्यक्रम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाले कार्यक्रमों में शामिल है।

भारत के केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल जर्मनी में बर्लिन ग्लोबल डायलोग के दौरान बोलते हुए।

'आर्थिक मदद का वादा, लेकिन 11 साल बाद भी कुछ नहीं मिला'

गोयल ने कहा कि जलवायु संकट से निपटने की जिम्मेदारी उन देशों की ज्यादा होनी चाहिए, जिन्होंने दशकों तक प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करके आर्थिक विकास किया और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने 2015 में हुए पेरिस जलवायु सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय विकसित देशों ने विकासशील और कम विकसित देशों की मदद करने पर सहमति जताई थी। इसमें प्रशांत महासागर और कैरेबियन क्षेत्र के छोटे द्वीपीय देश भी शामिल थे, जो जलवायु परिवर्तन के खतरे से ज्यादा प्रभावित होते हैं। गोयल के मुताबिक, विकसित देशों ने हर साल 100 अरब डॉलर यानी करीब 9 लाख करोड़ रुपए की आर्थिक मदद देने का वादा किया था।

पाक का आरोप- फर्जी मुठभेड़ में कश्मीरी मर रहे, उन्हें सम्मान से दफनाने का हक भी नहीं

पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर हमें नसीहत न दे : भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र (UN) में गुरूवार को भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक आजादी और मानवाधिकारों को लेकर तीखी बहस हुई। भारत ने पाकिस्तान पर अपने धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं करने का आरोप लगाया।

भारतीय राजनयिक भाविका मंगलानंदन ने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की संख्या घट रही है और उनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो देश अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा नहीं कर सकता, उसे भारत को नसीहत देने का कोई हक नहीं है।

इसके पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि जम्मू-कश्मीर में लोग फर्जी मुठभेड़ों में मारे जा रहे हैं। उन्हें

सम्मान के साथ दफनाने का हक भी नहीं दिया जाता। भारत में मुस्लिमों का मुद्दा: भारत में मुस्लिमों को निशाना बनाया जाता है और उनके खिलाफ हिंसा होती है।

धार्मिक आजादी की रिपोर्ट: UN की विशेष रिपोर्टर से धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर कब्जे वाले इलाकों में रहने वाले लोगों की स्थिति पर रिपोर्टिंग जारी रखने की अपील की।

प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों और लोगों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक, 7 जून को हुई झड़पों में कम से कम 8 प्रदर्शनकारियों और 4 पुलिसकर्मियों की मौत की पुष्टि पुलिस ने की थी। इसके बाद भी इलाके में तनाव बना रहा।

भाविका मंगलानंदन ने 1999 की कारगिल जंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस युद्ध में पाकिस्तान ने अपने मारे गए कुछ सैनिकों के शव लेने से इनकार कर दिया था। इसके बावजूद भारतीय सेना ने कई पाकिस्तानी सैनिकों को पूरे सैन्य सम्मान और इस्लामी रीति-रिवाजों के साथ दफनाया था।

भाविका मंगलानंदन ने यह बात यूएन की एक रिपोर्ट को लेकर कही। रिपोर्ट में कोरोना के दौरान शवों को दफनाने और धार्मिक रीति-रिवाजों से अंतिम संस्कार करने में आई दिक्कतों के लिए विकासशील देशों को जिम्मेदार ठहराया गया

UN में भारत का पक्ष रखते हुए प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन।

भारत ने रावलाकोट में हुई हिंसा का मुद्दा उठाया

भाविका मंगलानंदन ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के रावलाकोट में हुई हिंसा का भी जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान से सवाल किया कि जब वह भारत में मानवाधिकारों की बात करता है, तो उसे अपने नियंत्रण वाले इलाकों में लोगों के साथ हो रहे बर्ताव पर भी ध्यान देना चाहिए। रावलाकोट में इस साल जून में राजनीतिक अधिकारों और विधानसभा की 12 सीटों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। ये सीटें भारत प्रशासित जम्मू-कश्मीर से आए शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। प्रदर्शनकारी इन सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे थे।

'गलत संबंध' के आरोप स्वीकार कर न्यूजीलैंड के आर्मी चीफ ने दिया इस्तीफा

न्यूजीलैंड। न्यूजीलैंड के आर्मी चीफ टोनी डेविस ने एक राने अनुचित संबंध और समय पर उसका खुलासा न करने की बात स्वीकार करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रक्षा मंत्री पॉल गोल्डस्मिथ को भेजे गए इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि उनका यह आचरण सेना के मूल्यों के खिलाफ था और वह अपने अतीत के गलत फैसलों की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं।

अफसर के चेहरे पर चालान फेंकने पर 3 लाख जुर्माना

कोर्ट ने 40 गुना ज्यादा पेनल्टी लगाई

इंग्लैंड, एजेंसी

ब्रिटेन के कॉर्नवाल में गलत जगह गाड़ी खड़ी करने पर एक शख्स का चालान कटा। उसने चालान भरने से मना किया और महिला अफसर के मुंह पर चालान फाड़कर फेंक दिया। उसे 60 पाउंड यानी 7600 रूपए देने थे। लेकिन जब मामला कोर्ट पहुंचा तो पेनल्टी 40 गुना बढ़ गई। 14 अक्टूबर को सुनवाई के बाद अदालत ने शख्स पर लगभग 3 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया।

ब्रिटेन की न्यूज वेबसाइट मेट्रो की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी व्यक्ति का नाम स्टीफन लैंग है।

महिला अफसर ने उसकी कार की विंडस्क्रीन पर चालान लगाया था। लैंग ने चालान फेंका और वहां से चला गया।

कुछ देर बाद जब महिला अफसर जमीन से चालान उठाकर दोबारा

कार पर लगाने लगी, तो लैंग वापस आया। उसने चालान फिर से हटाया, उसे मसल दिया और महिला की तरफ फेंक दिया।

पूरी पार्किंग में लगे CCTV कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। कॉर्नवाल काउंसिल के मुताबिक, लैंग को 20 नवंबर 2025 को कचरा फैलाने के मामले में दोषी पाया गया था।

उसे कोर्ट ने 250 पाउंड (करीब 32 हजार रुपए) का पेनल्टी नोटिस दिया गया था। लेकिन उसने जुर्माना नहीं भरा। रिमाइंडर भेजने और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देने के बाद भी भुगतान नहीं किया।

हमला : मरीजों का डेटा लीक, हेल्थकेयर सेक्टर पर इस साल दुनियाभर में 716 हमले, अकेले अमेरिका में 410

अमेरिकी मेडिकल लैब पर साइबर अटैक

न्यू जर्सी, एजेंसी

अमेरिका की बड़ी मेडिकल जांच कंपनियों में शामिल क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स पर साइबर हमला हुआ है। इस हमले में हैकरों ने मरीजों की मेडिकल रिपोर्ट और उनकी निजी जानकारी तक पहुंच बना ली।

अभी तक क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स ने यह नहीं बताया है कि साइबर हमले से कितने मरीज प्रभावित हुए हैं। कंपनी के मुताबिक, कितने मरीजों की जानकारी तक पहुंच बनाई गई और कौन-कौन से रिकॉर्ड प्रभावित हुए, इसकी जांच जारी है।

कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। साइबर सुरक्षा पर नजर रखने वाली कंपनी कंपैरीटेक के मुताबिक, सितंबर 2026 तक दुनियाभर में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संस्थानों पर साइबर हमलों के 716 मामले सामने आए। इनमें से 410

हमले अकेले अमेरिका में हुए। कंपनी के मुताबिक, इस हमले से उसका रोजमर्रा का कामकाज प्रभावित नहीं हुआ है। डॉक्टर और अस्पताल पहले की तरह लैब जांच के लिए सैंपल भेज सकते हैं। इसके लिए वे कंपनी के लैब सिस्टम या इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (ईएमआर) का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स के मुताबिक, उस ऑनलाइन सिस्टम में मौजूद कुछ मरीजों के डेटा तक बिना इजाजत पहुंच बनाई गई। हालांकि, कंपनी के दूसरे सिस्टम प्रभावित नहीं हुए। कंपनी ने बताया कि इस घटना में मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और पहचान से जुड़ी निजी जानकारी तक पहुंच बनाई गई। लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि कौन-सी खास जानकारी देखी गई या प्रभावित हुई।

कंपनी जांच कर रही है कि कितने डेटा तक पहुंच बनाई गई थी। उसने कहा कि कानून के तहत जिन लोगों को इस घटना की जानकारी देना जरूरी होगा, उन्हें सूचित किया जाएगा।

साइबर सुरक्षा रिसर्च कंपनी कंपैरीटेक की रिपोर्ट के मुताबिक, हैल्थसेक्टर में इस साल जनवरी से जून के बीच दुनियाभर में 410 साइबर हमले और अमेरिका में 225 हमले दर्ज किए गए।

क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स का ऑनलाइन सिस्टम हैक हुआ

कंपनी के मुताबिक, हैकिंग का असर उसके क्वानम लैब सर्विसेज मैनेजर (LSM) सिस्टम पर पड़ा। इस ऑनलाइन सिस्टम का इस्तेमाल कुछ ग्राहक लैब टेस्ट बुक करने, जांच के नतीजे देखने और रिपोर्ट हासिल करने के लिए करते हैं।

हमले का पता चलते ही कंपनी ने इस सिस्टम का इस्तेमाल रोक दिया। कंपनी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और इसके लिए संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद भी ली जा रही है।

कंपनी ने कहा कि वह मरीजों की निजी जानकारी की सुरक्षा को गंभीरता से लेती है। फिलहाल प्रभावित सिस्टम को जल्द से जल्द पूरी तरह चालू करने की कोशिश की जा रही है।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए टेस्ट में 75% अंक लाना होगा

पहले 60% अंक जरूरी था, कार्ड में नाम-पता बदलवाना फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आपको नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना है, तो अब टेस्ट में पास होने के लिए 75% अंक लाना होगा। पहले टेस्ट में पास होने के लिए कम से कम 60% अंक जरूरी था। परिवहन मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस के नियमों का नया ड्राफ्ट तैयार किया है। इसके तहत कम से कम 30 मिनट का 'सेफ-ड्राइविंग ट्यूटोरियल' देखने के बाद टेस्ट पास करना जरूरी होगा।

इसके अलावा सरकार ने आधार वेरिफिकेशन के जरिए ऑनलाइन मिलने वाली कुछ सर्विस की फीस माफ करने का प्रस्ताव दिया है। इसमें कार्ड में नाम, पता बदलवाने जैसी सर्विस शामिल हैं।

अब नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने या पुराना रिन्यू कराने पर आपको साधारण कागज के बजाय 'फॉर्म 7' वाला मजबूत और वाटरप्रूफ PVC कार्ड ही मिलेगा।

ये दस्तावेज मान्य होंगे: पहचान, उम्र और पते के सबूत के तौर पर आप आधार कार्ड, पासपोर्ट, वोटर ID, ई-राशन कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप ड्राइविंग लाइसेंस में अपना नाम, पता या कोई अन्य जानकारी बदलवाने के लिए आवेदन करते हैं, तो RTO अधिकारी को 15 दिन के अंदर आपका काम पूरा करना होगा या आवेदन खारिज करना होगा। यदि आपका आवेदन किसी वजह से रिजेक्ट किया जाता है, तो RTO को उसका सही और स्पष्ट कारण भी लिखित में बताना होगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96